दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 187 | ग्वालियर, 17 मार्च रविवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एमपी में चार चरणों में करोड़ों मतदाता देंगे वोट, बढ़ी महिला वोटर्स की संख्या

चुनाव आयोग की तरफ से आज यानी शनिवार (16 मार्च) को लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों की घोषणा कर दी गई है. देशभर में सात चरणों में मतदान होंगे. तो वहीं एमपी में चार चरणों में मतदान होंगे. 19 अप्रैल से 13 मई के बीच वोटिंग की जाएगी. इसके बाद, 4 जून 2024 को नतीजों का ऐलान किया जाएगा.आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर सांसद चुनने के लिए प्रदेश के 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. इन मतदाताओं में 100 साल के ऊपर वाले मतदाताओं की संख्या 5 हजार के पार, जबकि थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 1373. प्रदेश में 2 करोड़ 88 लाख से ज्यादा पुरुष मतदाता हैं, जबकि 2 करोड़ 72 लाख से ज्यादा महिला मतदाता शामिल हैं.

करोड़ों मतदाता करेंगे अपने मतों का उपयोग–लोकसभा चुनाव का बिगुल बज गया है. चुनाव आयोग की तरफ से तारीखों का ऐलान कर दिया गया है. लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लगने के साथ ही प्रदेश में भी चुनावी सियासत सरगर्म हो गई है. प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के लिए साढ़े पांच करोड़ से ज्यादा मतदाता अपने मतों का उपयोग करेंगे. सत्ताधारी दल बीजेपी ने प्रदेश की सभी 29 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जबकि कांग्रेस अभी तक 10 सीटों पर ही अपने उम्मीदवार उतार सकी है.

एमपी कुल 29 लोकसभा सीटें–मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटें हैं. इनमें मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, विदिशा, भोपाल, राजगढ़, देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन, खंडवा और बैतूल संसदीय सीट शामिल हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने प्रदेश की 29 में से 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि महज एक छिंदवाड़ा की सीट ही कांग्रेस के खाते में गई थी. लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही मध्य प्रदेश में चुनाव को लेकर तैयारियों जोरों पर है. इसके साथ ही एक मध्य प्रदेश के करोड़ों मतदाता अपने मतों का उपयोग करने के लिए तैयार हैं. एमपी की कुल 29 लोकसभा सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस ने चुनावी तैयारी शुरू कर दी है. तो वहीं करोड़ों मतदाता भी सांसद चुनने के लिए तैयार हैं

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उमा भारती को बताया बुआ, कहा- मैं लोधी समाज का भतीजा...

गुना-शिवपुरी संसदीय सीट से बीजेपी प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना-शिवपुरी क्षेत्र के दौरे पर हैं. इस दौरान वे अनेक कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं. लोधी समाज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने पूर्व सीएम उमा भारती को अपनी बुआ बताया. सिंधिया ने कहा इस नाते मैं लोधी समाज का भतीजा हूं. मेरा और उनका (उमा भारती) का पारिवारिक संबंध है. उनका स्नेह और आशीर्वाद सदैव मुझे प्राप्त हुआ है. मैं तो अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं. कि उमा भारती मेरी बुआ है.केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आगे कहा, ÷मेरी अम्मा राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने उमा भारती को अपनी बेटी माना, उन्हें अपने महल में ही रखा है. उनका पालन पोषण किया. आज मैं अपना सौभाग्य मानता हूं कि उमा भारती जो प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं, केन्द्र सरकार में मंत्री बनीं. आज भी उमा भारती का प्यार और दुलार आपके सेवक ज्योतिरादित्य को भी मिलता है. यदि वो मेरी बुआ हैं तो आज उनका भतीजा आपके सामने खड़ा है.÷

तीन दिवसीय गुना-शिवपुरी के दौरे पर सिंधिया–गुना-शिवपुरी सीट से बीजेपी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र के तीन दिन के दौरे पर हैं. वे गुरुवार को देर रात शिवपुरी पहुंचे थे. शुक्रवार को सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र में आयोजित अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने अनेक समाजों की बैठकों को भी संबोधित किया.

आज भी अनेक समाजों की बैठकों में शामिल होंगे सिंधिया–केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज भी क्षेत्र के दौरे पर हैं. उन्होंने कोलारस विधानसभा के कोलारस कस्बे के एक होटल में धाकड़ समाज के साथ बैठक की. वहीं लुकवासा पहुंचकर जाटव समाज के साथ बैठक करेंगे. इसके बाद शाम चार बजे बदरवास में आदिवासी समाज के साथ बैठक करेंगे. शाम 6 बजे डुंगासरा के महाकाल धाम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गुना पहुंचेंगे. इसके बाद 17 मार्च को गुना व अशोकनगर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे भोपाल जाएंगे.

एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

लोकसभा चुनाव से पहले 100 आईएएस, आईपीएस अधिकारियों का तबादला, कांग्रेस ने साधा निशाना

लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कुछ ही देर में होने वाला है. इससे पहले बीजेपी के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश सरकार ने एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है. मोहन सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 100 अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया है.शुक्रवार को जारी एक आदेश में, सरकार ने 51 आईएएस और 49 आईपीएस अधिकारियों को नई तैनाती दी और राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) के भी कई अधिकारियों का तबादला किया.

आदेश के मुताबिक, शहडोल, गुना, पन्ना और सिंगरौली जिलों को नए जिलाधिकारी मिले हैं. वहीं, उज्जैन और शहडोल के लिए नए संभागायुक्त नियुक्त किए गए हैं.

कांग्रेस का बीजेपी पर आरोप-सरकार ने निवाड़ी, दमोह, श्योपुर, राजगढ़, डिंडोरी, खंडवा, सिंगरौली, छतरपुर, खरगोन और शिवपुरी जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) का तबादला किया है, जबकि भोपाल और इंदौर के नगर निकाय के नए आयुक्त नियुक्त किए गए हैं. हालांकि, विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह कवायद आगामी लोकसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए की गई है.

कांग्रेस के आरोपों को बताया निराधार-मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया सेल के उपाध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने दावा किया कि सरकार ने पिछले दो महीनों में अधिकारियों के लगभग 500 तबादले किए हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि शुक्रवार को किए गए तबादलों का मकसद आगामी चुनावों को प्रभावित करना है. इस बीच, मध्य प्रदेश बीजेपी के प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि तबादले चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार और लोगों की भलाई के लिए किए गए हैं. उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया.

बीजेपी सांसद गणेश सिंह के बयान पर गरमाई सियासत, बीजेपी कांग्रेस ने जताई आपत्ति,

चुनाव आयोग आज किसी भी समय लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर सकता है. चुनाव की तारीखों के एलान से पहले ही प्रत्याशी चुनाव जीतने के लिए अपने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच

जाकर मजबूती से चुनाव प्रचार के लिए अपील कर रहे है. इस बीच सोशल मीडिया पर सांसद व प्रत्याशी गणेश सिंह का एक वीडियो वायरल हो रहा है. जिसपर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है.

क्या बोल रहे है बीजेपी प्रत्याशी–वीडियो में बीजेपी प्रत्याशी गणेश सिंह कहते सुनाई दे रहे हैं, ÷कसर नहीं छोड़ना हैं, मुश्किल से 50-60 दिन मिलेंगे, इसलिए इन 50-60 दिनों में अपना लक्ष्य अर्जुन की उस मछली की आंख की तरह ही होना चाहिए. हम बूथ कैसे जीते, साम-दाम-दंड-भेद-अस्त्र-शस्त्र जो भी चलाना पड़े. बूथ जीतना है. नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना तय है.÷ इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि घर-घर जाएंगे और मोदी के नाम की अलख जगाएंगे, कमल को वोट दिलाएंगे.

कांग्रेस ने जताई सख्ती आपत्ति–सतना सांसद एवं बीजेपी प्रत्याशी गणेश सिंह के उचेहरा में दिए भाषण पर सियासत गरमा गई है. उनके भाषण पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है. कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सांसद गणेश सिंह वोट के खातिर लोगों को उकसा रहे हैं. वो उपद्रव करने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे है.बता दें कि गणेश सिंह को बीजेपी ने एक बार फिर चुनाव मैदान में उतारा है. इससे पहले 1993 में गणेश सिंह जनता दल की टिकट विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुके है. जिसमें उनकी हार हुई थी. वहीं साल 2004 में गणेश सिंह पहली बार सांसद बने थे. वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने 2 लाख 31 हजार 473 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी. बीजेपी ने उन्हें सतना सीट से 2023 में विधानसभा चुनाव भी लड़वाया था, लेकिन वे 4400 वोट से हार गए थे.

STORME SMART SOLUTIONS

अपने स्वयं की गाड़ी चलाओ पैसे कमाओ

कमायें 5000 रु. प्रति माह

अपनी गाड़ी 300 Km. चलाओ

5000/- प्रतिमाह कमाओ

9908750812, 8602854455, 9244933139

Old Railway Line, Near Sciendia Chauraha, Shatabdi Puram Gwalior, Madhya Pradesh 474020

Website : www.stormesmartsolutions.com

दतिया कलेक्टर संदीप मानिक ने जनसुनवाई में पहुंचे लोगों की सुनी समस्याएं

संदीप प्रधान उप संपादक दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

आज 5 मार्च 2024/राज्य शासन के निर्देशानुसार जन सामान्य की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई कार्यक्रम आज कलेक्टर श्री संदीप मकिन की उपस्थिति में न्यू कलेक्ट्रेट दतिया के सभा कक्ष में शुरू हुईकलेक्टर श्री संदीप माकिन ने जिले के विभिन्न अंचलों से आये लोगों की समस्याओं को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुएअधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए।

उपभोक्ता होता है बाजार का राजा डॉ. कमल भारद्वाज

केशब पंडित अम्बाह

अम्बाह स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय अम्बाह में अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में आर्थिक परिषद द्वारा विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कमल भारद्वाज जी ने अपने उदबोधन में कहा कि वर्तमान में सरकारें उपभोक्ताओं के हितों की? सुरक्षा को लेकर दृढ़ संकल्पित है, उपभोक्ता संरक्षण आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं का महत्वपूर्ण पहलू है जिसका उद्देश्य अनुचित व्यापार व्यवहारों के विरुद्ध उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना और निष्पक्ष एवं कुशल विवाद समाधान तंत्र सुनिश्चित करना है। वर्तमान समय में उपभोक्ता बाजार का राजा है लेकिन वास्तविक अर्थों में बह बाजार का राजा तभी बन सकता है जब उसे अपने

अधिकारों का ज्ञान हो और वह उन अधिकारों का प्रयोग करे। इस दिशा में सरकार द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विद्यार्थियों को भी इस दिशा में जागरूक होकर अन्य व्यक्तियों को अभियानों के माध्यम से जागरूक करना चाहिए । कार्यक्रम में विश्वमोहिनी तोमर,गायत्री शर्मा तथा सोनम शर्मा आदि छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम संयोजन तथा संचालन डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने किया।इस अवसर पर विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती आरती गुर्जर, कु.गिरिजा शर्मा एवं स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की आईक?यूएसी के तत?वावधान में आयोजित किया गया।

उप स्वास्थ्य केंद्र में शुरू होगी एक्सरे मशीन डॉक्टर मोहनीश तोमर

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर मोहनीश तोमर के आर्थिक प्रयासों से कराया जा रहा है सौंदीर्य करण मालनपुर नगर परिषद क्षेत्र में अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर तोमर इसके द्वारा किए गए निरंतर प्रयास से उद्योग क्षेत्र में बनी इकाइयों से सी एस आर फंड द्वारा मालनपुर अस्पताल का सौंदर्यकरण एवं स्वास्थ्य उपकरणों के लिए कई प्रयास किए जैसे की स्वास्थ्य केंद्र का मेन गेट गार्डन पानी के लिए वाटर कूलर एवं वृक्षारोपण के अनेको कार्यक्रम करवाए सूत्रों से पता चला है कि अस्पताल में एक्स-रे मशीन लगवाने का कार्य कराया

जा रहा है जिससे मालनपुर क्षेत्र एवं मुरैना क्षेत्र से आने वाले मरीजों को सुविधा मिले क्योंकि लोगों को ग्वालियर या गोहद एक्सरा करवाने के लिए भटकना पड़ता है निजी अस्पतालों में होने वाले एक्स-रे जो की होने दामों पर किए जाते हैं जिससे मध्यम वर्ग के लोगों को घर का खर्च चलाने में भी परेशानी उठानी पड़ती है लेकिन तोमर के प्रयासों से यह जल्द ही मालनपुर आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र में एक-रे होना शुरू हो जाएंगे जिससे गरीबों को राहत मिलेगी डॉ मोहनीश तोमर से इस संबंध में चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि हम जनता की सेवा के लिए हैं परमात्मा एवं हमारे माता-पिता के आशीर्वाद से हमारे पास बहुत कुछ है हम जन सेवा के लिए तत्पर हैं जितना हो सके उतना हम मालनपुर जन सेवा भाव से कार्य कर रहे ह

स्वामी तेजानन्द महाराज ने महिला पुलिस इंस्पेक्टर कनीका का किया सम्मान

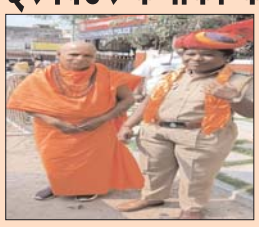

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

चैन्नई = दिनांक 15मार्च 2024 शुक्रवार सुबह 9बजे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द महाराज ने चैन्नई ऐलीफेनगेट पुलिस इंस्पेक्टर श्रीमति कनीका मेडम का पुलिस विभाग मे अच्छा कार्य करने के लिए साफा पहनाकर शुभ आर्शीवाद दिया।

आचार संहिता लगते ही जैतवारा पुलिस हुई सक्त

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना लोकसभा चुनाव तारीखो की घोषणा होते ही जैतवारा थाना प्रभारी पवन शुक्ला दल बल के साथ फील्ड में हुए सख्त वाहनों में पार्टियों संबंधित लगी नंबर प्लेटों को निकलवा कर चालानी कार्यवाही की गई तथा गुंडे बदमाशों व चुनाव को प्रभावित करने वाले और और असामाजिक तत्वों पर आरोपियों वारंटियों की तलाश प्रारंभ की गइ

जैतवारा व्यापारी बंधु थाना प्रभारी ,जैतवारा पवन शुक्ला का पुष्प गुच्छ देकर किए स्वागत

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

आज सभी व्यापारी बंधु जैतवारा थाना पहुंच कर टी आई पवन शुक्ला जी का पुष्प गुच्छ दे कर स्वागत किया गया एवम जैतवारा नगर की सुरक्षा दृष्टिकोण के तहत समस्यायों को लेकर अवगत कराया गया जिसमे मुख्य रूप से भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के मंडल संयोजक सुबोध सोनी जी हरिओम द्विवेदी जी प्रकाश चंद्र गुप्ता जी अभिषेक गुप्ताजी नीरज शीतलानी जी सजल गुप्ता जी उपस्थित रहे।।

लोकसभा निर्वाचन 2024: आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होते ही शुरु हुई कार्यवाहियां

कलेक्टर और एसपी ने कार्यवाही का किया निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना 2024/भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 का कार्यक्रम घोषित किये जाने के साथ ही सतना एवं मैहर जिला की संपूर्ण सीमा में आदर्श आचरण संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। आदर्श आचरण संहिता के निर्देशों का पालन कराने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों द्वारा संयुक्त रुप से कार्यवाहियां शुरु कर दी गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने सतना शहर के प्रमुख चौराहों का भ्रमण कर कार्यवाहियों का निरीक्षण किया। इन कार्यवाहियों में संपत्ति विरुपण हटाने और यातायात पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग का अभियान चलाया गया।

नॉर्दर्न एच आर फार्म क्रिकेट टूर्नामेंट

फाइनल मुकाबले में एस आर एफ जीती

दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर नॉर्थन एच आर फॉर्म क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में एस आर एफ और जेके टायर के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला जोकि विक्रांत यूनिवर्सिटी मैदान ग्वालियर में खेला गया जिसमें पहले बैटिंग करते हुए एस आर एफ ने 109 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करने उतरी जी के टायर की शुरू बात खराब हुई लगातार अंतराल में विकेट गिरते रहे कोई टीम को समाल नहीं सका इस प्रकार 14 ओवर एक गेंद पर जेके टायर की समूची टीम धराशाई सही हो गई एस आर एफ ने यह मैच 45 रनों से जीत लिया टूर्नामेंट फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि के रूप में असिस्टेंड चंबल संभाग लेबर कमिश्नर संध्या सिंह ने कहा की मुझे इस किसके टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में बुलाने पर एच आर फॉर्म का आभार मानती हूं मैंने मैच नहीं देख पाया परंतु विजेता उपजेता टीम को बधाई देती हूंकी इतना अच्छा टूर्नामेंट एच आर

फॉर्म द्वारा कराया गया जिसकी सराहना करती इसी क्रम में एच आर

फॉर्म टूर्नामेंट के अध्यक्ष अविनाश मिश्रा ने कहा कि इस टूर्नामेंट की नींव हम सब ने मिलकर सन 1992 में रखी जब एक ग्राउंड था और मातृ टीम चार टीम थी आज 16 टीमें और तीन ग्राउंड पर मैच खेले जा रहे हैं इसी क्रम में विक्रांत यूनिवर्सिटी चांसलर राकेश सिंह राठौर कि हमारी इस मैदान पर मैच खेले गए हमें बहुत अच्छा लगा एवं मैं इसकी सराहना करता हूं एवं सभी एच आर फॉर्म की कमेटी द्वारा टूर्नामेंट के संयोजक भगवान सिंह बैस को बधाई दी और कहा कि अगर यह टूर्नामेंट संपूर्ण हो पा रहा है तो इन्हीं के प्रयासों द्वारा इनका पूर्ण सहयोग रहता है ज्ञात रहे कि यह टूर्नामेंट 9 मार्च 2024 से खेला जा रहा है 16 टीमों ने भाग लिया है इस कार्यक्रम का संचालन के डी पाठक विक्रांत यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया उपस्थित रहे मुकुल चतुर्वेदी, बी के बैहरा, संजय शर्मा, योगेश चौहान, राजेश खन्ना, राकेश तिवारी, संतोष पाठक, संजय कुशवाह, आनंद शर्मा जगबीर सिंह राठौर, मनोज मिश्रा, अतुल शुक्ला, अमित बहल, आदि दो दर्जन से ज्यादा प्रबंधक मैनेजर एक सैकड़ा से ज्यादा का दर्शक मौजूद रहे

आईपीएस विदिता डागर ने नर्सिंग की छात्राओं को दिये सफलता के मूल मंत्र

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना -जिले की नागौद आईपीएस विदिता डागर ने आज शनिवार को समरिटन नर्सिंग स्कूल, अर्जुन नगर पतेरी स्कूल द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण के तहत आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर बच्चियों से 'विमेन इम्पोवरमेंट' के कॉन्सेप्ट के बारे में चर्चा की और इस पर जोर दिया कि कैसे एक बच्ची को शिक्षित करके हम एक शिक्षित समाज की नींव रखते हैं साथ ही अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए और अपने सपनों को

पूरा करने के लिए आत्म विश्वास, स्मार्ट वर्क और अटलता के महत्व पर रोशनी डाली।इसके साथ ही अपने आई पी एस अधिकारी बनने के सफ़र के बारे में बताते हुए बच्चिओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित किया जाये,जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना 2024/भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 का कार्यक्रम घोषित हो जाने के साथ ही सतना एवं मैहर जिला की संपूर्ण सीमा में आदर्श आचरण संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को संपन्न जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में निर्वाचन कार्यक्रम, निर्वाचन प्रक्रिया एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुये सतना जिले के समस्त राजनैतिक दल, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को जारी आदर्श आचरण संहिता का क?ाई से पालन सुनिश्चित करने की अपील की गई है। इस मौके पर कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक सतना श्री आशुतोष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर अग्रवाल, सभी सहायक रिटर्निंग ऑफीसर नीरज खरे, एपी द्विवेदी, आरएन खरे, जीतेन्द्र वर्मा, सुधीर बैक, आरती यादव, डॉ आरती सिंह, राहुल

सिरोजिया तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के घोषित कार्यक्रमानुसार 28 मार्च 2024 को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके साथ ही नामांकन पत्र प्राप्त करने का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल होगी और 5 अप्रैल को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम वापसी 8 अप्रैल तक की जा सकेगी। मतदान 26 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 जून को की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अभी सतना लोकसभा क्षेत्र में कुल 1950 मतदान केंद्र हैं। लोकसभा चुनाव में 17 लाख 7 हजार 71 मतदाता मतदान में हिस्सा लेंगे। इनमें 8 लाख 91 हजार 307 पुरुष और 8 लाख 12 हजार 187 महिला मतदाता, 6 अन्य तथा 3571 सर्विस मतदाता शामिल हैं। जिले में पीडब्ल्यूडी मतदाता की संख्या 20 हजार 632 और 85 प्लस वर्षीय मतदाताओं की संख्या 9 हजार 518 है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सतना और मैहर जिले में कुल 11 अंतर्राज्यीय नाके स्थापित किये जायेंगे। उन्होने कहा कि निर्वाचन की अनुमति के संबंध में सुविधा पोर्टल से आवेदन किये जा सकेंगे। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन की घोषणा के साथ ही संपूर्ण जिले में धारा 144 प्रभावशील हो गई है। उन्होने संपत्ति विरुपण, लाउड स्पीकर पर प्रतिबंध, सर्किट हाउस/रेस्ट हाउस पर प्रतिबंध, हेलीपैड लैडिंग चार्ज, पानी के टैंकरों एवं यात्री प्रतीक्षालयों से जनप्रतिनिधियों के नामों को हटाने और मिटाने, जनप्रतिनिधियों से संबद्ध शासकीय कर्मचारी और वाहनों संबद्धता की वापसी, वाहनों पर प्रतिबंध, जुलूस-रैली की अनुमति, कानून और व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया एक पारदर्शी प्रक्रिया है। इसलिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधि सम्यक चुनाव संपन्न कराने के लिये जारी दिशा-निर्देशों के बारे में भली-भांति अवगत रहें और यथा-स्वरूप निर्देशों

को निचले स्तर तक पहुंचाकर पालन सुनिश्चित करायें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के संबंध में सी-विजिल एप में शिकायत दर्ज की जा सकती है। जिस पर शिकायत दर्ज होते ही कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसके अलावा सूचना संकलन के स्त्रोत और मुखबिरों से जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी। वाहनों में नेम प्लेट, राजनैतिक चिन्ह, हूटर प्रतिबंधित रहेंगे। कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन की सभी गतिविधियां सतना जिला मुख्यालय से ही संचालित होगी। मैहर जिला प्रशासन द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के साथ संपन्न कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा। पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल ने लोकतंत्र के पर्व पर मतदान को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में सहयोग करने की बात कही। इस मौके पर जिला स्तरीय स्टैडिंग कमेटी के सदस्य, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कांग्रेस की मतदाता सूची के सम्बंध में बैठक सम्पन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय बीटीआई रोड पर जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं व जिले के समस्त ब्लॉक अध्यक्ष,समस्त ब्लॉक संगठन मंत्री,समस्त मंडलम अध्यक्ष,समस्त सेक्टर प्रभारी एवं बीएलए के सम्बंध में बैठक की । बैठक को संबोधित करते हुए जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद ने बताया कि ब्लाक अध्यक्ष,मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी,बीएलए द्वारा मतदाता सूची प्राप्त करने के संबंध में जिन ब्लॉक अध्यक्ष व मंडल अध्यक्ष को सूची प्राप्त नहीं हुई है,वह जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं,इस सम्बंध में जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा अथवा जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद से सम्पर्क कर जानकारी ले सकते हैं।

बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह यादव,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती रेखा भदौरिया,समाज कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र सिंह भदौरिया रानू ,जिला कोषाध्यक्ष योगेश कुमार शाक्य,वरिष्ठ नेता भागीरथ कुशवाहा,बेरोजगार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा,बलराम सिंह यादव,मनोज जैन,हनीफ खान, रहमान खान,एबरन बघेल,मो.इरफान गममू ,रेनू नरवरिया,बर्षा नरवरिया, राजवीर बघेल सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

जिला दण्डाधिकारी ने शस्त्र लायसेंस किये निलंबित,शस्त्रधारी 23 मार्च तक शस्त्र थाने में जमा करायें

रीवा(पुष्पांजली टुडे)

।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में लोकसभा चुनाव की घोषणा किये जाने के साथ ही संपूर्ण रीवा जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। इस दौरान जन सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने तथा निर्वाचन के स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि जिले के अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र निलम्बित किये जायें तथा अस्त्र-शस्त्र लोकसभा का निर्वाचन सम्पन्न होने तक जमा कराये जायें। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने तक सभी शस्त्र लायसेंस निलंबित करने के आदेश दिये हैं। सभी शस्त्रधारियों को उनके शस्त्र 23 मार्च तक निकटतम थाने में अनिवार्य रूप से जमा कराने के

आदेश दिये गये हैं। यह कार्यवाही आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 की उपधारा 3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गयी है। आदेश व्यक्तिशः तामीली संभव नहीं है इस लिए इसे एक पक्षीय रूप पारित किया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग विभिन्न संचार माध्यमों से आमजनता को इसकी सूचना उपलब्ध करायें। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय दण्ड प्रक्रिया की धारा 188 तथा आयुध अधिनियम 1959 के तहत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश लोक कर्तव्य में लगे पुलिस बल के अधिकारी, कर्मचारी, आबकारी निरीक्षकों, वन विभाग के कर्मियों, बैंक के सुरक्षा कर्मियों एवं प्राइवेट औद्योगिक प्रतिष्ठानों व परिसरों में लगे सुरक्षा कर्मियों, न्यायाधीशगण, कार्यपालिक दण्डाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों तथा अतिविशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा में लगे सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होंगे।

सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत जिले में कार्यवाही जारी

रीवा(पुष्पांजली टुडे)

।कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी विभागों के कार्यालय प्रमुख अधिकारियों को सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लोकसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही करें। इसी क्रम में विभागों द्वारा शासकीय परिसम्पत्तियों पर से निजी पोस्टर, फ्लैक्स, बैनर, होर्डिंग्स, लेखन आदि को हटाने की कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न स्थानों में शासकीय परिसम्पत्तियों पर लगे फ्लैक्स, बैनर, होर्डिंग्स को हटाने की कार्यवाही की गई। नगर निगम, नगरीय निकायों गुढ़, त्योंथर, मनगवां तथा ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सार्वजनिक शासकीय परिसम्पत्तियों में लिखे गये दीवार लेखन, फ्लैक्स, बैनर को हटाया गया। विद्युत विभाग द्वारा विद्युत पोल से होर्डिंग्स, बैनर आदि के हटाने की कार्यवाही की गई। कलेक्टर ने सभी कार्यालय प्रमुखों एवं विभागीय अधिकारियों को अपने विभाग के अधीन शासकीय सम्पत्तियों पर से निजी पोस्टर, फ्लैक्स, बैनर, होर्डिंग्स, लेखन आदि को हटाने की कार्यवाही सुनिचित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने की गई कार्यवाही की जानकारी प्रति दिवस अनिवार्यतः भेजने के निर्देश दिये हैं।

लोकसभा निर्वाचन के सिलसिले में जिले मे धारा 144 प्रभावशील,कलेक्टर ने धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश किए जारी

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।लोकसभा चुनाव के कार्यक्रमो की घोषणा के साथ ही संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र में निर्वाचन की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। लोकसभा निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने तक जिले में कानून और व्यस्था बनाये रखने तथा निर्वाचन शांतिपूर्वक संपन्न कराने कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अधिकरी श्रीमती प्रतिभा पाल ने संपूर्ण रीवा जिले की सीमाओं में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेशों की घोषणा की है। यह प्रतिबंध 16 मार्च से निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेंगे। वर्तमान परिस्थितियों की आदेश की व्यक्तिगत तामीली संभव नहीं है इसलिए यह आदेश एक पक्षीय रूप में जारी किया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग द्वारा विभिन्न संचार माध्यमों से इसकी सूचना आमजनता को दी जायेगी। इस आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 188 तथा अन्य प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी। सभी एसडीएम अपने अनुभाग में आदेश का पालन सुनिश्चित करायें। जारी आदेश के अनुसार संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र में निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रतिबंधों के आदेश दिये गये हैं। प्रतिबंधात्मक आदेश के प्रभावशील रहने तक कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति जुलूस रैली या आम सभा का आयोजन न करे और न संचालन करे तथा न ही उसमें सम्मलित हो यदि ऐसा करना आवश्यक हो तो आयोजन के तिथि के न्यूनतम दो दिवस पूर्व आयोजन स्थल की सम्पूर्ण जानकारी संबंधित एसडीएम से लिखित अनुमति प्राप्त करके ही इनका आयोजन करे। नियमानुसार अनुमति प्राप्त होने के बाद ही आयोजन करें। जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति अपने अग्नेय अस्त्र जैसे रिवाल्वर, पिस्टल, एमएल गन, बीएल गन, आदि एवं अन्य तेज धार वाले घातक अस्त्र जैसे फरसा, तलवार, भाला, चाकू, छूरा, बर्छी, आदि लेकर न चलेगा और न ही उसका उपयोग करेगा और नही सार्वजनिक स्थल पर प्रदर्शित करेगा। सभी तरह के अस्त्र-शस्त्रों को लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। सुरक्षाकर्मियों, सैन्य कर्मियों, निर्वाचन की ड्यूटी में तैनात सुरक्षा बलों को इससे छूट होगी। ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत सक्षम अधिकारी की लिखित अनुमति के बाद ही करें। निर्धारित समय सीमा के बाद इसका उपयोग होने पर कार्यवाही की जायेगी। प्रतिबंध की अवधि में सभी तरह का धरना-प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। जिले की सीमा में आने वाला प्रत्येक बाहरी व्यक्ति थाने में अपने आने की सूचना दर्ज करायेगा। सभी होटल, लाज, धर्मशाला आदि के संचालक उनमें ठहरने वालों की जानकारी प्रतिदिन संबंधित थाने को देंगे। किसी भी शासकीय भवन अथवा अन्य परिसंपत्तियों तथा अशासकीय भवनों में किसी भी व्यक्ति, राजनैतिक दल अथवा उम्मीदवार राजनैतिक प्रचार सामग्री लगाना प्रतिबंधित रहेगा। निजी भवनों में भवन मालिक की लिखित अनुमति के बाद ही चुनाव सामग्री लगाये। किसी भी शासकीय संसाधन का उपयोग चुनाव प्रचार में नही किया जायेगा। कोई भी शासकीय, अर्द्धशासकीय अथवा स्थायी निकाय का कर्मचारी को राजनैतिक गतिविधि (चुनाव प्रचार) में भाग लेना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। सक्षम अधिकारी की लिखित अनुमति के बाद ही शासकीय सर्किट हाउस तथा रेस्ट हाउस में ठहरने की अनुमति होगी। जिला दण्डाधिकारी ने सभी एसडीएम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को प्रतिबंधात्मक आदेश को सार्वजनिक स्थल पर चस्पा करने तथा ध्वनि विस्तार यंत्रों से इसकी जानकारी आमजनता को देने के निर्देश दिये हैं। आदेश को लागू कराने के लिए सभी रिटर्निंग आफीसर तथा एसडीएम सक्षम प्राधिकारी होगें।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में कलेक्टर ने चुनाव कार्यक्रमों की दी जानकारी

पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से होगा लोकसभा चुनाव - कलेक्टर

रीवा।कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में लोकसभा चुनाव के लिए गठित स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि रीवा लोकसभा क्षेत्र के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। इसके साथ ही पूरे लोकसभा क्षेत्र में चुनाव की आदर्श आचरण संहिता लागू हो गयी है। पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से लोकसभा चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। इसके लिए सभी प्रबंध किए जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के अधिसूचना 28 मार्च को जारी की जायेगी। इसी दिन से नामांकन पत्र दाखिल किये जायेंगे। रीवा लोकसभा क्षेत्र के नामांकन पत्र कलेक्ट्रेट कार्यालय रीवा में दाखिल किये जायेंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 4 अप्रैल है। दाखिल नामांकन पत्रों की जांच 5 अप्रैल को की जायेगी। उम्मीदवार 8 अप्रैल तक नाम वापस ले सकते हैं। नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद उम्मीदवारों की सूची जारी की जायेगी। इसी दिन उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किये जायेंगे। रीवा लोकसभा क्षेत्र में निर्धारित मतदान केन्द्रों में 26 अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना जिला मुख्यालय रीवा में 4 जून को होगी। मतदान ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीन के माध्यम से कराया जायेगा। व्हीव्हीपैट में मतदाता अपने मतदान की पुष्ठिकरण पर्ची देख सकता है। बैठक में कलेक्टर ने मतदान केन्द्र की व्यवस्था, मतदाता सूची पुनरीक्षण, अपराधियों पर की जा रही कार्यवाही, कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, सम्पत्ति विरूपण अधिनियम, मतदान दल गठन, ईव्हीएम से मतदान, मतदान दलों के प्रशिक्षण तथा निर्वाचन से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सी विजिल एप से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी 24 घंटे कार्य करेगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने कानून और व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर मऊगंज ने पेयजल की व्यवस्था के संबंध में दिए निर्देश

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

मऊगंज जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के लिए कलेक्टर अजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बंद हैण्डपंपों को तीन दिवस में सुधार कार्य कराकर चालू कराएं। हैण्डपंपों के सुधार कार्य के प्रत्येक विकासखण्ड को दो-दो वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। माह मार्च में अभी तक 453 हैण्डपंपों में सुधार का कार्य कराया गया है। शेष हैण्डपंपों के सुधार का कार्य भी शीघ्र कराएं। खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जन जागरूकता बढ़ाएं। यह भी सुनिश्चित करें कि बोरवेल कहीं खुले न रहें और जहाँ खुले हैं उन्हें तत्काल बंद करें। उल्लेखनीय है कि लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए पेयजल समस्या निराकरण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इसका टोल फ्री

लोकसभा चुनाव कार्य मों की घोषणा - चुनाव की आदर्श आचरण संहिता लागू

आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन करने पर होगी कड़ी कार्यवाही

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

निर्वाचन आयोग द्वारा रीवा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव संपन्न कराने के लिए कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। रीवा में 26 अप्रैल को मतदान एवं 4 जून को मतगणना की जायेगी। चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा करने के साथ ही पूरे लोकसभा क्षेत्र में चुनाव की आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया है कि निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने तक चुनाव की आदर्श आचरण संहिता लागू रहेगी। इस अवधि में नये कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण नहीं होंगे। पूर्व से स्वीकृत और जारी निर्माण कार्यों में किसी तरह की रोक नहीं रहेगी। सभी अधिकारियों-कर्मचारियों तथा राजनैतिक दलों एवं उम्मीदवारों पर आदर्श आचरण संहिता लागू होगी। आदर्श आचरण संहिता लागू होने की अवधि में कोई भी शासकीय सेवक राजनैतिक गतिविधि में शामिल नहीं होगे। शासकीय कर्मचारियों को चुनाव में बिल्कुल निष्पक्ष रहना चाहिए। यह आवश्यक है कि वे किसी को यह महसूस न होने दें कि वे निष्पक्ष नहीं हैं। जनता को उनकी निष्पक्षता का विश्वास होना चाहिए तथा उन्हें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे ऐसी आंशका भी हो कि वे किसी दल या उम्मीदवार की मदद कर रहे हैं। शासकीय कर्मचारियों को किसी भी प्रकार के चुनाव अभियान या प्रचार में भाग नहीं लेना चाहिए तथा उन्हें यह देखना चाहिए कि उनकी हैसियत या अधिकारों का लाभ कोई दल या उम्मीदवार न ले

सके। निर्वाचन में किसी अभ्यर्थी के लिए कार्य करना मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम के प्रावधानों के विपरीत है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की ओर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करते हुए कहा गया है कि निर्वाचन के दौरान अधिकारी और कर्मचारी न तो किसी अभ्यर्थी के लिए कार्य करेंगे और न मत डालने में कोई असर डालेंगे। इसके अतिरिक्त कोई शासकीय सेवक निर्वाचन अभिकर्ता, मतदान अभिकर्ता या गणना अभिकर्ता के रूप में कार्य नहीं कर सकता है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि सभी राजनैतिक दल तथा उम्मीदवार चुनाव की आदर्श आचरण संहिता का पालन करते हुए राजनैतिक गतिविधि संचालित करें। किसी भी दल तथा उम्मीदवार को धार्मिक, भाषायी अथवा अन्य किसी तरह से सामुदायों के बीच मतभेद तथा घृणा की भावना उत्पन्न न करें। उम्मीदवार एक-दूसरे की आलोचना न करें। चुनाव प्रचार के लिए धार्मिक स्थलों का उपयोग न करें। मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए स्वस्थ तरीके से चुनाव प्रचार करें। मतदाताओं को डराना तथा किसी तरह का प्रलोभन देना आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन माना जायेगा। राजनैतिक दल तथा उम्मीदवार सक्षम प्राधिकारी से लिखित अनुमति के बाद ही सभा, सम्मेलन तथा जुलूस का आयोजन कर सकेंगे। सभी उम्मीदवार निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अधिकतम व्यय सीमा में ही चुनाव में खर्च कर सकेंगे। किसी भी शासकीय भवन अथवा भवन परिसर में चुनाव प्रचार सामग्री लगाना प्रतिबंधित रहेगा। निजी भवनों तथा परिसंपत्तियों में भवन स्वामी की लिखित अनुमति के बाद ही चुनाव प्रचार सामग्री प्रदर्शित करें। चुनाव प्रचार करते समय कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पालन करना अनिवार्यतः होगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने पत्रकारों को दी लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की जानकारी

रीवा लोकसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को होगा चुनाव

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कार्यक्रमों की घोषणा कर दी गई है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की जानकारी पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा कि रीवा लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 10 के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। इसके साथ ही पूरे लोकसभा क्षेत्र में चुनाव की आदर्श आचरण संहिता लागू हो गयी है। लोकसभा चुनाव के अधिसूचना 28 मार्च को जारी की जायेगी। इसी दिन से नामांकन पत्र दाखिल किये जायेंगे। रीवा लोकसभा क्षेत्र के नामांकन पत्र कलेक्ट्रेट कार्यालय रीवा में दाखिल किये जायेंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 4 अप्रैल है। दाखिल नामांकन पत्रों की जांच 5 अप्रैल को की जायेगी। उम्मीदवार 8 अप्रैल तक नाम वापस ले सकते हैं। नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद उम्मीदवारों की सूची जारी की जायेगी। इसी दिन उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किये जायेंगे। रीवा लोकसभा क्षेत्र में निर्धारित मतदान केन्द्रों में 26 अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना जिला मुख्यालय रीवा में 4 जून को होगी। मतदान ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीन के माध्यम से कराया जायेगा। व्हीव्हीपैट में मतदाता अपने मतदान की पुष्ठिकरण पर्ची देख सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष संपन्न कराये जायेंगे। लोकसभा चुनाव के लिये निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार सभी तैयारियां की जा रही हैं। सम्पत्ति विरूपण अधिनियम, कोलाहल नियंत्रण अधिनियम सहित विभिन्न वैधानिक प्रावधानों के तहत लगातार कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों में पानी, छाया, शौचालय आदि की व्यवस्था कर दी गयी है। दिव्यांग मतदाता तथा 85 साल से अधिक आयु के मतदाता डाकमत पत्र के माध्यम से घर से भी मतदान कर सकते हैं। जिले में 85 साल के 15635 मतदाता तथा 13753 दिव्यांग मतदाता हैं। मतदान केन्द्र में इन्हे मतदान करने के लिए पूरी सुविधा दी जायेगी। मतदाता सूची पूरी शुद्धता से तैयार की गयी है। सभी मतदान केन्द्रों में बीएलओ ने सराहनीय कार्य करके पात्र व्यक्तियों के नाम जोड़े हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में 50 हजार युवा मतदाता तथा बड़ी संख्या में महिला मतदाता के नाम शामिल किये गये हैं। महिलाओं के बड़ी संख्या के नाम शामिल करने से लिंगानुपात 915 हो गया है। जिले में मतदाताओं की कुल संख्या 18 लाख 50 हजार से अधिक है। रीवा और मऊगंज दोनों जिलों में कुल 2014 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। मतदान केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं का सेक्टर आफीसर के माध्यम से सत्यापन कराया गया है। कलेक्टर ने बताया कि चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था की कड़ी निगरानी की जायेगी। आदतन अपराधियों तथा असामाजिक तत्वों के विरूद्ध लगातार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। सभी प्रमुख मार्गों पर चेकपोस्ट बना दिये गये हैं। इनमें पुलिस और राजस्व के साथ-साथ आबकारी, वन तथा कामर्शियल टैक्स के अधिकारी भी तैनात रहेंगे। चुनाव प्रचारों पर निगरानी, पेड न्यूज तथा सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए टीम तैनात कर दी गयी है। समाचार पत्रों तथा सोशल मीडिया में पोस्ट करते समय निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने विधानसभा चुनाव में किये जा रहे सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी दी। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, जनसंपर्क अधिकारी उमेश तिवारी तथा शिवप्रसत्र शुक्ला एवं बड़ी संख्या में पत्रकारगण उपस्थित रहे।

लोकसभा क्षेत्र कोरबा में मतदाताओं की कुल संख्या 16,14,885,

कोरबा जिले में 09 लाख 34 हजार 278 मतदाता -

जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित सभी राजनीतिक दलों को बताया कि 16 मार्च 2024 की स्थिति में कोरबा लोकसभा में मतदाताओं की कुल संख्या 16 लाख 14 हजार 885 है। उन्होंने बताया कि कोरबा जिले के चारों विधानसभा अंतर्गत कुल 1080 मतदान केंद्र एवं मतदाताओं की कुल संख्या 9 लाख 34 हजार 278 है। जिसके अंतर्गत 04 लाख 64 हजार 847 पुरुष मतदाता एवं 04 लाख 69 हजार 394 महिला मतदाता हैं। जिले में थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 37 है। इसी प्रकार जिले में वरिष्ठ मतदाताओं की संख्या 4391, 18-19 वर्ष के नए मतदाता 25,390 व दिव्यांग मतदाता 6,362 और सेवा मतदाताओं की संख्या 541 है। बैठक में कलेक्टर ने उपस्थित राजनीतिक दलो से आदर्श आचार संहिता के दायरे में गतिविधियां संचालित करने का अग्रह किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री तिवारी ने राजनीतिक दलो से सभा, जुलूस में जाति, धर्म, व्यक्तिगत चरित्र, भ?काऊ भाषण, शिष्टाचार के विरूद्ध भाषण नही देने की अपील करते हुए निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संबित मिश्रा, निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, उप-जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सीमा पात्रे, डिप्टी कलेक्टर विकास चौधरी सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित रहे

अबकी बार ... दल बदले... दिल बदले

मुस्ताअली बोहरा

कई छोटे-बड़े नेता हैं जो भाजपा में चले तो गए लेकिन रसूख गवां बैठे। जो नेता अपनी पार्टियों में शीर्ष नेताओं में गिने जाते थे लेकिन बीजेपी में इनकी वो हैसियत नहीं है। पुराने भाजपाई ऐसे दल बदलुओं की हैसियत बढ़ने देंगे ऐसा लगता भी नहीं है। हालांकि, ये भी सवाल जहन में आ सकता है कि जब भाजपा में सम्मान नहीं मिल रहा तो ये नेता उस पार्टी में जा क्यों रहे हैं। जवाब सीधा है, जो लोग भाजपा में जा रहे हैं या तो उन्हें पद चाहिए या फिर संरक्षण। कई नेताओं के सीधे कारोबार हैं या वो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से किसी ना किसी कारोबार से जुड़े हुए हैं लिहाजा उन्हें अपना व्यावसायिक हित साधना है। कई नेता ईडी के छापे के डर से भी पार्टी बदल रहे हैं। खैर, ऐसे कितने ही लोग कांग्रेस में हैं जो लंबे समय से सत्ता से दूर है लेकिन निष्ठा नहीं बदली।

पद की लालसा या कारोबारी संरक्षण !
कांग्रेस से हार रही कांग्रेस...

अबकी बार ... 400 पार के नारे और अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के सहारे 2024 के लोकसभा चुनाव के समर में भाजपा उतर चुकी है। केन्द्र में यदि फिर से भाजपा की सरकार बनती है तो इसे चुनावी रणनीति से मिली जीत और संगठनात्मक सफलता माना जाएगा। वहीं कांग्रेस की हार के पीछे शीर्ष नेतृत्व और कार्यकताओं के बीच तालमेल का अभाव, पार्टी नेताओं के बीच आपसी संवादहीनता मुख्य वजह होंगे। लंबे समय तक पूरे देश में राज करने वाली पार्टी यदि आज अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है तो इसकी वजह भाजपा नहीं बल्कि खुद वो नेता हैं जो अपनी ही पार्टी को खोखला करते रहे। इनके अलावा मौकापरस्त नेताओं ने भी उसूलों को तिलांजलि देते हुए पाला बदल लिया। 2019 के लोस चुनाव से पहले कांग्रेस में जो अफरातफरी मची है वो अभी तक नहीं थमी है। ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश का है जहां कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और ब्राम्हण नेता सुरेश पचैरी सहित कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया।

देश भर में लोकसभा चुनाव को लेकर लहर चल रही है। मार्च के मध्य में चुनाव आयोग चुनावी कार्यक्रम घोषित कर सकता है। बीजेपी 400 पार के टारगेट पर जुट गई है। कांग्रेस भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए जनता के बीच है। लेकिन कांग्रेस के आगे एक बाद एक नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रासवोटिंग का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि इधर मध्यप्रदेश कांग्रेस में तूफान आ गया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा हाल ही में मध्यप्रदेश से गुजरी है और कांग्रेस को लगातार झटके लगना शुरू हो गए हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कमलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलें थीं। कई दिनों तक मीडिया में ऐसी खबरे तैरतीं रहीं लेकिन कमलनाथ और नकुलनाथ ने तो हाथ का साथ नहीं छोड़ा बल्कि मप्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचैरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजू खेड़ी, इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल के साथ और भी कई नेताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चैहान की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ले ली। सुरेश पचैरी को राजीव गांधी और सोनिया गांधी से खास संपर्क में रहने के कारण गांधी परिवार का करीबी माना जाता रहा है। उन्होंने पांच दशक से ज्यादा कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया। वे चार बार राज्यसभा के सदस्य रहे। यूथ कांग्रेस से राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले पचैरी की गिनती नेहरू-गांधी परिवार के बेहद विश्वासपात्र नेताओं में रही। मनमोहन सिंह सरकार में सुरेश पचैरी स्वतंत्र प्रभार वाले रक्षा राज्यमंत्री रहे। संसदीय कार्य विभाग उनके पास रहा। वे डीओपीटी विभाग को भी मनमोहन सरकार में संभालते रहे। सुरेश पचैरी को मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद की बागडोर भी सौंपी गई। केन्द्रीय इकाई में अनेक महतवपूर्ण पद संभाले। राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि पचैरी काफी पहले से ही अपनी पार्टी के नेताओं

से नाराज थे। 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्हें तवज्जों नहीं मिली। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से उनकी पटरी नहीं बैठती थी, और प्रदेश अध्यक्ष रहते कमलनाथ ने भी पचैरी को भाव नहीं दिया। उनकी नाराजगी इस बात से भी जाहिर हो गई थी वे राहुल गांधी की यात्रा के दौरान भी कहीं नजर नहीं आए। कांग्रेस ने भोपाल लोकसभा सीट पर उन्हें उमा भारती के सामने उतारा था, लेकिन उन्हें शिकस्त मिली। भोजपुर विधानसभा सीट से भी कांग्रेस ने पचैरी को विधायक का टिकट दिया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। पचैरी के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने से कांग्रेस को लोस चुनाव में कोई नुकसान होगा ऐसा लगता नहीं है। लेकिन ये मैसेज आमजन के बीच जरूर जाएगा कि कांग्रेस अपने ही बड़े नेताओं को नहीं संभाल पा रही है।

इन सबके इतर, ये कोई पहला मौका नहीं है जब किसी नेता ने पाला बदला हो। इससे पहले बिहार और बिहार से पहले महाराष्ट्र का घटनाक्रम अभी भी देशवासियों के जहन में ताजा है। इन दोनों ही राज्यों में तो नेताओं के साथ सरकार तक बदल गई। खैर, जो नेता अपनी पुरानी पार्टी को छोड़ नई पार्टी में गए उनका क्या हश्र ये बताने की जरूरत नहीं। कई पुराने कांग्रेसी नेता जो आज भाजपा में हैं वो ना इधर के रहे और ना उधर के।

कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं को भाजपा में बेहतर राजनीतिक भविष्य नजर आ रहा है। पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने बीजेपी का दामन थामा और इसके एक दिन बाद ही बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा के लिए प्रत्याशी घोषित कर दिया। बीजेपी में शामिल होने वाले कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्रियों में अमरिंदर सिंह, दिगंबर कामत, एसएम कृष्णा, विजय बहुगुणा, एन किरण रेड्डी, एनडी तिवारी, जगदम्बिका पाल और पेमा खांडू आदि शामिल हैं। पचैरी की तरह सभी नेता ये कहते रहे हैं कि उन्हें पद की लालसा नहीं है लेकिन पार्टी बदलने के पीछे खालिस जनसेवा का मकसद हो ऐसा भी नहीं होता। बतौर उदाहरण, अमरिंदर सिंह राजनीति में कम सक्रिय हैं। अमरिंदर सिंह चाहते थे कि उनकी राजनीतिक विरासत को उनकी बेटी आगे बढ़ाए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के बेटे उत्तराखंड की धामी सरकार में कैबिनेट सदस्य हैं। पेमा खांडू ने अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी के लिए बहुमत हासिल किया। यही वजह है कि खांडू लगातार सीएम बने हुए हैं। एनडी तिवारी अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करना चाहते थे। हालांकि, अपने बेटे को आगे बढ़ा पाते इससे पहले ही उनका स्वर्गवास हो गया। इसी तरह बढी उम्र के कारण एसएम कृष्णा भी राजनीति से दूर हो गए। यदि पूर्वोत्तर की बात की जाए तो कांग्रेस ने सरमा को सीएम बनाने का वादा पूरा नहीं किया और तरुण गोगोई को बरकरार रखा। हालांकि पाला बदलने के बाद सरमा सीएम बनने में कामयाब हो गए। बीरेन सिंह ने भी कांग्रेस से किनारा कर लिया। उन्होंने 2017 में बीजेपी को बहुमत दिलाया। तोहफे में उन्हें सीएम बनाया गया और मणिपुर में लगातार हिंसा के बाद उन्हें हटाने की मांग के बावजूद वह सीएम बने हुए हैं। साहा को सीएम बनने का मौका नहीं मिला क्योंकि त्रिपुरा में माणिक सरकार के तहत सीपीआई-एम का कार्यकाल लंबा था। 2023 में भाजपा में शामिल होने और बिप्लब कुमार देब के उत्तराधिकारी बनने के बाद उनके सितारे बुलंद हुए।

पूर्व मुख्यमंत्रियों के अलावा, कांग्रेस और अन्य दलों के कई अन्य शीर्ष नेता भी पिछले कुछ वर्षों में भाजपा में शामिल हुए हैं। इनमें राहुल गांधी के पूर्व सहयोगी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह और जितिन प्रसाद शामिल हैं। मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार गिराने में कामयाब रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री बनाया गया, जबकि प्रसाद यूपी में भाजपा सरकार में मंत्री हैं। आरपीएन को हाल ही में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया था। कहा जा सकता है कि भाजपा में शामिल होने वाले कांग्रेस नेताओं की लंबी सूची में से सरमा और सिंधिया को ही फायदा हुआ है। विमानन और इस्पात मंत्रालयों का प्रभार संभालने के अलावा, सिंधिया ने 2023 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कई समर्थकों के लिए टिकटों का प्रबंधन किया। दो अन्य पूर्व मुख्यमंत्री, शिवसेना से नारायण राणे और बाबूलाल मरांडी भी हाल ही में भाजपा में शामिल हुए। राणे केंद्रीय मंत्री हैं और मरांडी भाजपा नेता के रूप में झारखंड के पहले सीएम रह चुके हैं, जिन्हें राज्य इकाई प्रमुख के रूप में पार्टी का चेहरा बनाया गया है।

कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वाले ज्यादातर नेताओं ने आस्था परिवर्तन की जो वजहें गिनाईं उनमें से एक तो यहीं है कि उन्हें यथोचित सम्मान नहीं मिला। खास बात ये भी है कि ऐसे नेता कांग्रेस में रहकर ही विधायक, सांसद, केन्द्रीय मंत्री बनें। उनका आज जो भी राजनीतिक कद है वो कांग्रेस ने ही बनाया। कांग्रेस के जमीन से जुड़े कार्यकताओं का कहना है कि भले ही आज कांग्रेस की वह स्थिति नहीं है जो पहले थी लेकिन इसका ये मतलब तो नहीं कि आप पार्टी के अच्छे दिनों का लाभ उठाकर अपना रसूख बना लें और जब पार्टी का बुरा दौर हो तो उसी पार्टी को धोखा दे दें। सत्ताधारी पार्टी में जाने शामिल होने वाले नेताओं की मंशा भी लोग भलीभांति जानते हैं फिर चाहे वो पाला बदलने के पीछे कुछ भी कहते हों। ऐसे नेताओं को तात्कालिक लाभ भले ही मिला हो लेकिन इसके दूरगामी परिणाम बेहतर नजर नहीं आए। कांग्रेस ही नहीं दिगर पार्टी या दलों से जो लोग बीजेपी में गए उनमें से ज्यादातर हासिए पर ही हैं। बतौर उदाहरण, रीता बहुगुणा जोशी महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा उत्तर प्रदेश कांग्रेस की भी अध्यक्ष रह चुकी हैं और साल 2012 में पार्टी ने उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। इसके अलावा वो समाजवादी पार्टी में भी रह चुकी हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा उनके बड़े भाई हैं। उनकी जो हैसियत और सम्मान कांग्रेस में ही थी वो अब नहीं है। जहां वो खुद टिकट बांटती थीं, आज एक टिकट लेने के लिए लाले पड़ रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद अपने बेटे के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं बना पा रही हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बेहद खास रहे अमेठी के पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री संजय सिंह भाजपा में गए। संजय सिंह के बारे में कहा गया कि शायद वो अपनी राज्यसभा सीट बचाने के लिए बीजेपी में गए हों। प्रतापगढ़ से कई बार सांसद रह चुकीं और पूर्व विदेश मंत्री दिनेश सिंह की बेटी राजकुमारी रत्ना सिंह का कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाना बेहद चैंकाने वाला था। दिलचस्प बात ये है कि इनमें से किसी भी नेता को बीजेपी में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक नहीं दी गई। ऐसे कई छोटे-बड़े नेता हैं जो भाजपा में चले तो गए लेकिन रसूख गवां बैठे। जो नेता अपनी पार्टियों में शीर्ष नेताओं में गिने जाते थे लेकिन बीजेपी में इनकी वो हैसियत नहीं है। पुराने भाजपाई ऐसे दल बदलुओं की हैसियत बढ़ने देंगे ऐसा लगता भी नहीं है। हालांकि, ये भी सवाल जहन में आ सकता है कि जब भाजपा में सम्मान नहीं मिल रहा तो ये नेता उस पार्टी में जा क्यों रहे हैं। जवाब सीधा है, जो लोग भाजपा में जा रहे हैं या तो उन्हें पद चाहिए या फिर संरक्षण। कई नेताओं के सीधे कारोबार हैं या वो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से किसी ना किसी कारोबार से जुड़े हुए हैं लिहाजा उन्हें अपना व्यावसायिक हित साधना है। कई नेता ईडी के छापे के डर से भी पार्टी बदल रहे हैं। खैर, ऐसे कितने ही लोग कांग्रेस में हैं जो लंबे समय से सत्ता से दूर है लेकिन निष्ठा नहीं बदली। इसी तरह भाजपा में भी कई लोग विपक्ष में रहे लेकिन आस्था नहीं डिगी। ये वो लोग हैं जिनका कोई निजी स्वार्थ नहीं है, कारोबारी हित नहीं है, पद की लालसा नहीं है।

संपादकीय

कांग्रेस की कोशिश

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का समापन 16 मार्च को मुंबई में होगा। इस समापन समारोह को कांग्रेस पार्टी एक बड़े.राजनीतिक घटनाक्रम के तौर पर मनाना चाहती है। पार्टी के रणनीतिकार 17 मार्च को शिवाजी पार्क में एक बड़ी रैली के आयोजन की तैयारी कर रहे हैं। उसके लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के सभी दलों को आमंत्रित किया गया है। इस रैली के जरिये विपक्षी एकता की धुरी समझी जाने वाली कांग्रेस संदेश देना चाहती है कि इंडिया गठबंधन की एकता अभी कमजोर नहीं हुई है। हालांकि पश्चिम बंगाल में ममता ने यहां की सभी 42 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करके अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। लेकिन कांग्रेस को अभी भी गठबंधन की उम्मीद है। हकीकत यह है कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम के शीर्ष नेता भाजपा के विरुद्ध संयुक्त विपक्षी मोर्चा बनाने के लिए सहमत हैं, लेकिन इन दलों के प्रादेशिक नेता तैयार नहीं हैं। जमीनी स्तर पर अपना राजनीतिक प्रभुत्व बढ़ाने के लिए इन दलों के कार्यकताओं के बीच हिंसक टकराव होते रहते हैं, जिसके कारण राष्ट्रीय नेतृत्व किसी तरह का गठबंधन नहीं बना पा रहा है। पिछले एक दशक के दौरान पश्चिम बंगाल की राजनीति में जो बदलाव हुए उनसे राष्ट्रीय राजनीति अछूती नहीं रह सकती। 2019 के आम चुनाव में भाजपा को 40 फीसद वोट और लोक सभा की 18 सीटें मिली थीं जबकि तृणमूल कांग्रेस को 43 फीसद वोट और 22 सीटें। सड़क के संघर्ष में ममता का अनुभव नरेन्द्र मोदी से ज्यादा है तो संगठन को संजोने और उसके कामकाज का अनुभव मोदी के पास ज्यादा है। यही कारण है कि राज्य में दोनों के बीच बराबर की टक्कर है। इसलिए सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अकेले चुनाव लड़ने का फैसला करके ममता ने अपने पैर में कुल्हाड़ी तो नहीं मार ली। राहुल की चाहे जितनी भी आलोचना की जाए लेकिन वही कांग्रेस के संघर्ष का मोर्चा संभाले हुए हैं और इन दिनों भी पार्टी के शीर्ष नेता की तरह भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं। अगर कांग्रेस के प्रयासों से इंडिया गठबंधन के नेता एक मंच पर आते हैं और आपसी विवादों को दूर करने में सफल हो जाते हैं तो लोक सभा का चुनाव काफी दिलचस्प हो सकता है।

चिंतन-मनन

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थौ चानुचिन्तयेत् अर्थात् व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अर्थोपार्जन न करे। वह अर्थोपार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं। हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्थो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है। जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो

रूस के राष्ट्रपति का चुनाव तानाशाह और लोकतंत्र का माडल

सनत जैन

आज से रूस में राष्ट्रपति के चुनाव शुरू हो गए हैं। तीन दिनों तक रूस में मतदान होगा। रूस का यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। जो पूरी तरीके से डिजिटल तरीके से कराया जा रहा है। पांचवीं बार पुतिन का राष्ट्रपति बनना तय माना जा रहा है। उनके सामने राष्ट्रपति पद के लिए तीन प्रत्याशी खड़े हुए हैं। जो उनके ही समर्थक बताए जाते हैं। निकोलाई खरितोनोव कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से, लियोनिड नेशनल लिबरल पार्टी की ओर से तथा व्लादिस्लाव न्यू नेशनल पार्टी की ओर से चुनाव में खड़े हैं। यह तीनों पुतिन की विचारधारा के समर्थक बताए जाते हैं। यूक्रेन से शांति प्रस्ताव का समर्थन कर रहे दो प्रत्याशियों बोरिस और याकेतेरना का नामांकन निरस्त कर दिया गया था। रूस में 6 साल के लिए चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव को जीतने के बाद 2030 तक पुतिन, राष्ट्रपति के पद पर बने रहेंगे। रूस का यह चुनाव एक तरह से जनमत संग्रह की तर्ज पर आयोजित किया गया है। इसमें विपक्ष भी है। विपक्ष राष्ट्रपति के समर्थन में खड़ा हुआ दिख रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वालों को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई है। पिछले 20 वर्षों में पुतिन का विरोध करने वाले 16 राजनेताओं की हत्या हो गई है। सैकड़ो विरोध करने वाले नेता जेलों में बंद है। 2018 के बाद से रूस में विपक्ष को बुरी तरीके से खत्म किया जा रहा है। उनके सबसे बड़े विरोधी आर्कटिक की 16 फरवरी को जेल में मौत हो गई। उनकी लाश भी उनके परिजनों को नहीं दी गई। पुतिन इस बार रिकॉर्ड स्तर पर जीतने की रणनीति बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं। पुतिन चाहते हैं कि रूस के 70 फीसदी मतदाता कम से कम मतदान करें। इस मतदान में उन्हें न्यूनतम 80 फीसदी मत से जीत मिलनी चाहिए। इस चुनाव के लिये नियम बनाया गया है, पहले चरण में यदि प्रत्याशी को मतदान के 50 फीसदी वोट ना मिले तो दूसरे चरण की वोटिंग की जाएगी। ऐसी स्थिति में पहले ही चरण में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का चुनाव जीतना तय माना जा रहा है। पुतिन अपने पुराने सभी रिकार्ड को तोड़ने जा रहे हैं। 26 मार्च 2000 को हुए चुनाव में उन्हें 53.44 फीसदी वोट मिले थे। 14 मार्च 2004 को हुए चुनाव में उन्हें 71.91 फीसदी वोट मिले थे। 2 मार्च 2008 को हुए चुनाव में पुतिन को 71.25 फीसदी वोट मिले थे। 4 मार्च 2012 को हुए चुनाव में उन्हें 64.35 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। 18 मार्च 2018 को हुए चुनाव में उन्हें 77.53 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। पुतिन 2018 के रिकार्ड को तोड़ना चाहते हैं। वह यह भी बताना चाहते हैं, कि रूस और यूक्रेन युद्ध के कारण उनकी लोकप्रियता रूस में बढ़ी है। रूस का राष्ट्रपति चुनाव एक तरह से तानाशाही वाले देशों के लिए रोल मॉडल बन गया है। यूक्रेन युद्ध की सच्चाई को दबाने के लिए सरकारी खजाने से सरकार ने 9000 करोड रुपए से ज्यादा प्रचार-प्रसार में खर्च किए हैं। युवा मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनाव के ठीक पहले 1 से 7 मार्च के बीच में वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल कराया गया है। 20000 युवाओं को राष्ट्रपति पुतिन से मिलवाया गया है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में पुतिन के सामने जो तीन प्रत्याशी हैं। वह विभिन्न मुद्दों पर पुतिन का समर्थन करते हैं। एक हिसाब से उन्हें पुतिन की बी टीम माना जाता है। रूस का चुनाव आयोग भी पूरी तरह से पुतिन के इशारे पर काम करता है। डिजिटल वोटिंग के माध्यम से रूस में चुनाव का सारा प्रबंधन चुनाव आयोग की देखरेख में हो रहा है। पुतिन की उम्र अभी 71 वर्ष की है। 6 साल के लिए यह चुनाव हो रहा है 77 वर्ष की उम्र तक वह रूस के राष्ट्रपति बने रह सकते हैं। रूस के सबसे ज्यादा समय तक राष्ट्रपति रहने वाले तानाशाह जोसेफ स्टालिन का नाम सामने आता है। उनके बाद अब राष्ट्रपति का सबसे बड़ा कार्यकाल राष्ट्रपति पुतिन का होगा। पुतिन भी 2020 में रूस के संविधान को बदल दिया था। 2036 तक के लिए राष्ट्रपति बने रहने का इन्होंने संविधान में प्रावधान कर लिया है। रूस में चुनाव एक औपचारिकता है। जो अगले तीन दिनों में पूरी हो जाएगी। दुनिया के कई देशों में तानाशाह शासन कर रहे हैं। जो तानाशाही के साथ लोकतांत्रिक दिखना चाहते हैं। उन शासकों के बीच में रूस का संविधान और रूस का यह चुनाव मॉडल बड़ा लोकप्रिय हो रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में तानाशाही को बनाए रखने का यह सबसे अच्छा मॉडल है।

वॉइस क्लोनिंगः नए साइबर अपराध से बच के

रजनीश कपूर

साइबर अपराधों में लिप्त अपराधी हर दिन नए ढंग से अपने शिकार को फंसाने के तरीके खोजते रहते हैं। यदि आप जागरूक हैं तो आप इनके जाल में फंसने से बच सकते हैं। यदि आप घबराहट में कुछ ऐसा-वैसा कर बैठते हैं तो आप इनके जाल में आसानी फंस सकते हैं। आज साइबर अपराध के नए तरीके 'वॉइस क्लोनिंग' के बारे में बात करेंगे जो आजकल सीधा-सादे लोगों को अपना शिकार बना रहा है।

कुछ समय पहले तक साइबर अपराधियों द्वारा व्हाट्सऐप पर वीडियो कॉल करके लोगों से पैसा ऐंठा जा रहा था। जैसे-जैसे इस तरह के साइबर अपराध के बारे में लोगों को पता चला तो इन साइबर ठगों के अपराधों में कमी आने लगी, परंतु 'आर्टिफिशियल

आसानी से बनाई जा सकती है। आवाज की इस नकल को पहचान पाना बहुत ही मुश्किल होता है। कुछ दिन पिछले मुझे मेरे एक मित्र जतिन का घबराहट में फोन आया। उसकी घबराहट का कारण ये था कि खुद को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच का एक अधिकारी बताने वाला व्यक्ति उसे धमका रहा था। उस व्यक्ति ने जतिन को फोन पर यह कहते हुए धमकाया कि उसका बेटा पुलिस हिरासत में है। जब उसने अपने बेटे की गिरफ्तारी की वजह पूछी तो उसे बताया गया कि उसका बेटा अपने कॉलेज की लड़कियों को अश्लील मेसेज भेजता और उन्हें ब्लैकमेल करता है। चूंकि जतिन का बेटा आजकल के युवाओं की तरह 'मस्त-मौला' विचारों का नहीं है इसलिए उसे इस बात पर यकीन नहीं हुआ। फिर भी एक घबराए हुए पिता की तरह जतिन ने भी यह जानना चाहा कि उसका बेटा कौन से थाने में है और उसे कैसे छुड़ाया जा सकेगा? तभी किसी कारण से फोन कट गया। इसी बीच जतिन ने मुझे फोन कर अपनी परेशानी बताई। सबसे पहले मैंने उससे पूछा कि उसका बेटा इस समय कहां है? उसने बताया कि वो कॉलेज गया है। मैंने उससे पूछा कि फोन किस नंबर से आया था? क्या फोन उसके बेटे के फोन से आया था? चेक करने पर पता चला कि फोन किसी अनजान नम्बर से आया था। इतना ही नहीं उस नंबर से पहले +92 लगा था, जिससे संदेह हुआ कि यह

करती है तो या तो वो थाने के फोन से करेगी या छात्र के ही फोन से या पुलिस अधिकारी अपने फोन से कॉल करेगा जिसके पहले +91 लगा होगा। इस पर जतिन को कुछ बात तो समझ में आई, लेकिन उसने यह भी कहा कि उस पुलिस अधिकारी ने उसके बेटे की फोन रिकॉर्डिंग के कुछ अंश भी सुनाए हैं, जिसे सुन कर उसे चिंता हुई। इस पर मैंने जतिन से कहा कि क्या उसने अपने बेटे से उसी के फोन पर बात की? तो वो बोला घबराहट में उसने पहला फोन मुझे ही किया। जैसे ही जतिन ने दूसरे फोन से अपने बेटे से बात की तो उसे पता चला कि वो सकुशल है और अपने कॉलेज में ही है। 'वॉइस क्लोनिंग' स्कैम जरिये उगाही के इस नए ढंग को यदि आप जान लेंगे तो शायद आप भी इन जालसाजों का शिकार होने से बच सकेंगे। साइबर ठग आपके फोन पर किसी बैंक, फोन या बीमा कंपनी का अधिकारी बन कर आपसे बात करते हैं। ऐसे में ये आपके साथ हो रही पूरी बात को रिकॉर्ड भी कर लेते हैं। इसके बाद 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की मदद से 'वॉइस क्लोनिंग' सॉफ्टवेयर में आपकी आवाज में आसानी से बदलाव लाकर, आपकी आवाज की नकल या ह्यवॉइस क्लोनिंग' कर लेते हैं। मतलब आपकी ही आवाज में बातचीत का विषय बदल देते हैं। इन साइबर ठगों के पास आपके करीबी रिश्तेदारों के नंबर होना कोई बड़ी बात नहीं है। इसी के चलते वे 'वॉइस क्लोनिंग' की मदद से

से ऐसा 'वॉइस क्लोनिंग' वाला फोन आए तो पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आपके जिस रिश्तेदार के बारे में बात की जा रही है, क्या वो उसी की आवाज है? दूसरा, किसी न किसी बहाने से फोन को काट कर अपने उसी रिश्तेदार को फोन कर उससे बात अवश्य करें। तीसरा, यदि कोई भी खुद को पुलिस अधिकारी बताता है तो पहले उस व्यक्ति का पूरा परिचय मांगें और आधिकारिक फोन नंबर लें। यदि संभव हो तो फौरन उसके दिए परिचय की पुष्टि भी कर लें। कभी भी अनजान नंबर से आने वाली कॉल, खासकर जिस नंबर से पहले +92 लगा हो उसे न उठाएं। अपने बैंक खाते या अन्य जरूरी जानकारी को कभी शेयर न

लापरवाही:ग्राम पंचायत नारही चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट जिम्मेदार अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

ग्राम पंचायत नारही में मजदूरों की जगह जेसीबी मशीनों से हो रहा है निर्माण कार्य

शिवपुरी
पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार करैरा

करैरा अनुविभव के अंतर्गत ग्राम पंचायत नारही मे सरपंच राजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं सचिव प्रकाश रासमेरिया द्वारा नारही ग्राम पंचायत में गरीबों की मजदूरी पर डाका डालकर पंचायत में हो रहे निर्माण कार्य को मजदूरों से ना कराकर जेसीबी मशीनों द्वारा दिनदहाड़े करवाया जा रहा है। बही नारही पंचायत के सरपंच एवं सचिव की धाक जमकर पेल रहे हैं। तलैया में निर्माण कार्य पंचायत के कर्ताधर्ताओं के द्वारा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। जिसकी सुध लेने बाला कोई इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। जिसमें सरपंच खुद जेसीबी मशीन चलवाते हुए दिख रहे है एवं ग्राम पंचायत नारही के ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में जितने भी निर्माण कार्य हुए हैं वह पूरी तरह घटिया हुए उन निर्माण कार्य में रेत की जगह मुरम का उपयोग किया गया है एवं फर्जी मस्टर भरकर अवैध रूप से लाखों की राशि हड़प कर ली सरपंच सचिव ने एवं खास बात यह है कि मामले की जानकारी करैरा के जनपद पंचायत के आला अधिकारियों तक भी पहुंच चुकी है लेकिन भ्रष्ट सरपंच सचिव पर अभी तक कोई भी ठोस कार्यवाही नहीं की गई इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं ना कहीं करैरा जनपद पंचायत के आला अधिकारियों की मिलीभगत भी इस भ्रष्टाचार में हो सकती है ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में सरकार से मिलने वाली जन हितेषी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हम लोगों को जब मिल पाता है जब हमें सरपंच सचिव को मोटी रिश्वत देनी पड़ती इसके बाद हमें लाभ मिल पाता अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी भ्रष्ट सरपंच सचिव पर क्या कार्यवाही करते हैं या फिर कार्यवाही को ठंडे बस्ते में डाल दी जाएगी।

पंचायत के पूरे गांव में जगह-जगह कीचड़ व फैलीं गंदगी- एक तरफ सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत मध्य-प्रदेश में स्वाच्छ भारत बनाने में लगीं हुई है। लेकिन इधर सरपंच एवं सचिव पलीता लगाने में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सफाई के नाम पर फर्जी राशि निकाल कर अपनी जेमे भर रहें हैं।और अपने घर पर निजी निर्माण कार्य कर रहे। हालात यह है कि गांव में कीचड़ है, और मुख्य रास्ते भी गंदगी से सने हुए हैं। सफाई के नाम पर पूरे गांव में कोई सफाई व्यवस्था नहीं है। नारही गांव के ग्रामीण कीचड़ से गुजरना पड़ रहा है जिससे उनको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा । बही स्कूली बच्चे भी निकलने में मजबूर है, कई बार तो फिसल कर चोटिल हो चुके हैं ।

पार्वती लिंक परियोजना के अंतर्गत निकाला जागरूकता रथ

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

पार्वती लिंक परियोजना के अंतर्गत कुंभराज तहसील के ग्रामों में नवांकुर सेक्टर 4 और5 में विजयश्री जनकल्याण परिषद नवांकुरसंस्था बीनागंज मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा सानई, मदगनमाफी,पीपलखेड़ी,बड़ोद आम्बेह,झारेड़ा,मोहनपुर,झिरी और झींकनी सहित अन्य ग्रामों में जागरूकता रथ निकाला गया। ग्राम विकास पर प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी और सीएमसीएल डीपी के छात्रों द्वारा दीवार लेखन किया गया और ग्राम वासियों को संपर्क कर परियोजना के संबंध में देवेंद्र सिंह राजपूत, नारायण सिंह बंजारा,सुरेश बंजारा,पीयूष पारीक,राघवेंद्र सिंह राजोरिया परामर्शदाता मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम,बनवारी मीणा,केशव मीणा संस्था समन्वयक हरिओम शिक्षा एवं पर्यावरण समिति कुंभराज ने संपर्क करते हुए किसानों को जानकारी दी कि,पार्वती लिंक परियोजना से की समृद्धि के बारे में बताया कि इस परियोजना से किसानों को पानी जल पूर्ति होगी और क्षेत्र में लोगों का आर्थिक स्तर बढ़ेगा। पार्वती लिंक परियोजना के लिए जागरूकता प्रचार प्रसार रथ का आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा किया जा रहा है

हराई थाने में पदस्थ थाना प्रभारी मीना रघुवंशी का स्थानांतरण देहात थाना अशोकनगर हुआ

उनकी जगह सहराई थाना प्रभारी बृजमोहन कुशवाह को बनाया गया है लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा जिले मैं थाना प्रभारी बदले गए हैं सहराई थाने का पदभार नए थाना प्रभारी बृजमोहन कुशवाह ने संभाल लिया है वही एक आरक्षक बृजेश महोबिया का स्थानांतरण सहराई थाने से चंदेरी थाने में होने पर उनको साल श्रीफल देकर भाव भीनी विदाई दी गई इस मौके पर पुलिस स्टाफ सहित पत्रकार अभय सिंघई पत्रकार शैलेश लोधी आदि मौजूद थे

25 पेटी देशी शराब व 5 पेटी बियर मय कार कुल कीमत 5 लाख रुपये की जप्त कर की कार्यवाही

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी मे नवागत पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड (भा0पु0सें0) के द्वारा आगामी लोकसभा चुनावों व त्योहारों के मद्देनजर जिले मे शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये व शांति भंग करने बाले आसामाजिक तत्वों पर जीरो टॉलरेंस के तहत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है । जिसके पालन मे पुलिस थाना प्रभारी अमोला उनि अमित चतुर्वेदी एवं उनकी पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब परिवहन करते हुये एक मारुती स्विफ्ट कार मे से लगभग 105500रु. की अवैध शराब जप्त कर कार्यवाही की है ।नवागत पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन में एवं

अति0पुलिस अधीक्षक श्री संजय मूले (रा0पु0से0), एसडीओपी करैरा श्री शिवनारायण मुकाती के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमोला अमित चतुर्वेदी को दौराने इलाका भ्रमण जरिये मुखविर द्वारा सूचना मिली की शिवपुरी तरफ से एक कार अवैध शराब लेकर करैरा

तरफ जा रही है । उक्त सूचना की तस्दीक हेतु अमोला पुलिस द्वारा कुशवाह ढाबा के सामने वाहन चैकिंग लगाकर उक्त कार के आने का इंतजार किया । कुछ देर बाद मुखबिर के द्वारा बताई कार क्रमांक क्क16ङ्ग0458 शिवपुरी से आती दिखी, जिसे हमराही फोर्स की मदद से रोकर चैक किया गया तो उसमे अवैध शराब भरी हुई पाई गयी जिसके संबंध मे आरोपी चालक से पूछताछ की गयी । आरोपी राहुल रजक पुत्र मेहरबान रजक उम्र 25 साल निवासी भौंडन थाना भौंती के कब्जे से 25 पेटी देशी प्लेन शराब 5 पेटी बियर कैने मय सिफ्टडियार शराब की कीमत 105,500 रुपये सिफ्ट डिजायर की कीमत 4 लाख रुपय कुल कीमत 5 लाख 5 हजार 500 रुपये की जप्त कर कब्जे जप्त किया गया।उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी अमोला अमित चतुर्वेदी,प्र. आर. राकेश सेंगर, प्र0आर0 हरदयाल जोशी, आर. शिवम यादव, आर संदीप राठौर, आर. रामनरेश राठौर, आर. पवन राठौर, आर. हीरेन्द्र प्रताप सिंह, आर. नीतेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

बूचड़खाने ले जा रहे कृषि उपयोगी मवेशियों से भरे ट्रक को जप्तकर आरोपी ट्रक ड्राईवर को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी अमन सिहं राठौर के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी एवं अनुविभागिय अधिकारी पुलिस कोलारस द्वारा पशुक्रूरता अधिनियम के तहत चलाए जा रहे अभियान के पालन में आज दिनांक 16.03.2024 को दौराने इलाका गश्त में मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम सिरनौदा तरफ से एक ट्रक मवेशी से भरा हुआ कूडाराई तरफ आ रहा हैं । उक्त सूचना पर से थाना तेंदुआ पुलिस द्वारा उक्त ट्रक क्रमांक ऋछ11तक्क9941 को मय ट्रक ड्राईवर आरोपी सैफ अली पुत्र मो. जमील अली उम्र 20 साल निवासी वार्ड नम्बर 17 रसलपुर सोनिया गांधी नगर थाना औद्योगिक क्षेत्र देवास म.प्र. को गिरफ्तार किया गया एवं ट्रक में ठूस ङ्क ठूस कर भरे हुए कुल 48 नग बैल/नाटा भूखे प्यासे दर्द से कहराते हुए घायल अवस्था में उतारे गये जो कृषि योग्य हैं जिनकी कीमत करीबन चार लाख अस्सी हजार रुपयें के हैं को थाना तेंदुआ पुलिस द्वारा धर्मपुरा गौशाला थाना कोलारस में सुरक्षित छुडवाया गया बाद आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 279 भादवि, 4/9 , 6/9 म. प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004, धारा 11 पशु के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 , धारा 66(1), 184 मोटरयान अधिनियम 1988 का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर दण्डात्मक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय कोलारस जिला शिवपुरी पेश किया जा रहा है ।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि. विवेक यादव,का.प्र.आर. 773 जीतेन्द्र सोनी,आर.522 भग्गू भिलाला,आर.1115 आशीष पारासर व आर चा 85 लोकेन्द्र झाला की सराहनीय भूमिका रही है ।

विधायक ने किया 50 लाख रुपए की लागत का पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट भवन का भूमि पूजन

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर, विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा 16 मार्च शनिवार दोपहर 12:00 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिछोर में 50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का किया भूमिपूजन।

पिछोर डॉक्टर संजीव वर्मा द्वारा जानकारी देते हुऐ बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल के 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिछोर में 50 लाख रुपए की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की विल्डिंग का भूमिपूजन पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा किया गया जिसकी निर्माण एजेन्सी राघवविल्डर्स एंड जनरल आर्डर सप्लायर्स द्वारा यह कार्य कराया जाना है।इसके अंतर्गत स्वास्थ विभाग में होने बाली कई तरह की जांचों के लिए यह भवन का निर्माण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल द्वारा कराया जा रहा।इस मौके पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष राहुल राहोरा, भाजपा मण्डल महामंत्री मुकेश पंसारी, विधायक प्रतिनिधि आशीष चौधरी, भाजपानेता करणसिंह लोधी,आदि उपस्थित थे।

90 साल के वृद्ध ने कलेक्टर से लगाई गुहार ,सरपंच व सचिव को 25 साल पूर्व से दे रहा कागज न पेंशन न राशन , सरकारे लाख दावे करें कि अंतिम पंक्ति में बेटे व्यक्ति को लाभ मिले।

तहसील पिपरई के ब्लॉक चंदेरी की ग्राम पंचायत गरेंठी वा खिरिया गांव के कुछ लोग मंगलवार जिला कलेक्टर कार्यालय जनसुनवाई में सामूहिक सिकायत आवेदन देने पहुंचे ।आवेदन में पंचायत के पूर्व सरपंच वर्तमान सरपंच सचिव और रोजगार सचिव प्रशासनिक अधिकारियों पर लापरवाही करने शिकायत की जांच हो दुर्जन सिंह लोधी वृद्ध व्यक्ति जिसकी उम्र लगभग 90 वर्ष है उसने कहा है कि मैं और मेरी पत्नी कलि बाई की उम्र 89 वर्ष हो चुकी है मैने कई बार पूर्व में सरपंच सचिव रोजगार सचिव को मैंने खाद्यान्न पर्ची एवं वृद्धावस्था पेंशन के लिए पिछ्ले 25 सालों से कई बार अपने कागज दिए लेकिन मुझे आज तक न पेंशन न राशन नहीं मिला मेरी परिवारआईडी हम तीन व्यक्ति जुड़े हुए मेरे पास बीपीएल का राशन कार्ड मेरे नाम से था ।

सघोर लापरवाही मनमानी पीड़ित।सरपंच व सचिव की लापरवाही मनमानी चलते हुए मेरे पुत्र लक्ष्मण जो मानसिक डिस्टर्ब है उसकी परिवार आईडी अलग बना दी उसकी पत्नी का नाम नरबादी बाई लिख दिया जबकि उसका विवाह भी नहीं हुआ बीपीएल की राशन पर्ची मेरे पुत्र लक्ष्मण के नाम है 5 किलो राशन की पर्ची जबकि परिवार आईडी में हम तीन लोग आज भी अंकित है। पंचायत सचिव कर्मचारी लापरवाही के चलते शासकीय योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं पात्र होते हुए भी पीड़ित ।

नेत्रहीन पीडित - महेंद्र सिंह चौहान उम्र 65 वर्ष जो अपनी दोनों आंखों से विकलांग,अंधे हैं दिखाई नहीं देता

राशन से वंचित -इनको कई सालों से राशन नहीं मिला बंद है ।5 किलो राशन मिलता था कई सालों से सरपंच,सचिव अधिकारियों राशन पात्रता पर्ची सही करने के लिए लेने कई बार अपने डॉक्यूमेंट दे चुके लेकिन उनको राशन आज भी नहीं मिल रहा है सरपंच सचिव की प्रवाही के कारण जांच कर तब से बंद है मुझे राशन दिया जाए।

पीड़ित युवा कई योजनाओं से वंचित- बलराम सिंह लोधी ने बताया कि मेरे पिता जी मुलसिंह लोधी की मृत्यु 10, साल पूर्व गई थी लेकिन आज दिनांक तक कई सरपंच सचिव आए उनको मैंने सभी को मेरे पिता जी का मृत्यु प्रमाण पत्र भी उस समय नही बनाया और न ही परिवार आईडी में से पिता का नाम काटा गया।

आज दिनांक तक नही हटाया और ना ही राशन पात्रता पर्ची में मेरा नाम न जोड़ा गया जिसके कारण मुझे राशन नहीं मिल पा रहा है मुझे कई शासकीय योजनाओं से वंचित हु जिसके करण ना ही मेरा संबल कार्ड बना न आयुष्मान कार्ड का लाभ मिल रहा । सरकार की कई योजनाओं

का लाभ पंचायत सरपंच और सचिव की

लापरवाही के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जांच की जाए तब से मेरे नाम पिता जी के नाम पर जो राशन आ रहा है उसको पूरा दिया जाए दोषियों पर कार्वाई की जाए।

पीडति वृद्ध महिला- रामवती बाई उम्र 65 वर्ष है उसके पति की मृत्यु 7 साल हो गई थी पूर्व सरपंच ने मृत्यु प्रमाण पत्र नही बनाए ना कल्याणी पेंशन ओर उसकी परिवार आईडी पुत्र के नाम से है दो परिवार आईडी में नाम अंकित है जिससे करण ना कि मुझे कल्याणी पेंशन नहीं मिल पा रही है। हमारे परिवार के जो बच्चे स्कूल पढ़ रहे हैं उनको स्कॉलरशिप और साइकिल आदि योजना का लाभ नहीं मिल पा रही है मेरा पुत्र चंदू सिंह लोधी की पोर्टल पर दो परिवार आईडी बना दी है लापरवाही मनमर्जी से पूर्व सरपंच में जो सचिव ने हमको लाभ से लेने से वंचित कर रखा है हम लोगों ने पिछले 7 साल से पूर्व सरपंच पति सचिव रोजगार सचिव को अपने कागज दे रही हु लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं होती हम बहुत

परेशान हैं ऐसा लगता है कि ।

सचिव और पूर्व सरपंचों की मनमानी के चलते ग्राम पंचायत के कितने ही लोग अपनी मूलभूत सुविधाओं से शासन की योजनाओं से वंचित पीड़ति हैं परेशान है।

सोचने वाली बात-ग्राम पंचायत गरेंठी के लोगों

ने यह भी आवेदन मै लिखा है कि 2018 में संबल योजना के कार्ड बनाए गए थे उस मै भी भेदभाव मनमानी की पूर्व सरपंच पति ने संबल कार्ड बना बाते समय में जो संबल कार्ड बन गए उन कार्डो को भी पूर्व सरपंच पति जगजीत सिंह अपने घर पर कई सेकड़ा की संख्या में संबल कार्ड आज भी रखे हुए हैं ग्रामीणों की संबल कार्ड वितरण नहीं किए। न जाने कितने ग्राम पंचायत के व्यक्तियों को महिलाओं,बच्चों को भाजपा सरकार लाभकारी शासकीय योजनाओं का लाभ वंचित हो गय न जाने कितने गरीब लोग ।

युवा पीडित है-कलेक्टर कार्यालय जनसुनवाई में रोजगार सचिव की लिखित शिकायत की मलखान कुशवाह ने दिया कहा की संबल कार्ड बनाने के लिए 9 माह पूर्व रोजगार सचिव को आवेदन दिया था संबल कार्ड के लिए पर आज तक नहीं बना जिसकी शिकायत से सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी की है की है परेशान है संबल कार्ड नहीं बनाया गया । देखना आब यह है कि प्रशासन अधिकारी शिकायती आवेदन देने के बाद इन लोगों पर क्या सहायता मिलती है और प्रशासनिक अधिकारी पंचायत सरपंच सचिव पूर्व सरपंचों पर बिंदुवार जांच कर क्या कार्रवाई करती है।

इनका कहना यह है।

मेरे कार्यकाल में किसी भी व्यक्ति को लाभ से वंचित नहीं किया गया उससे पूर्व का मुझे पता नहीं ।

मुझे को जो पेंशन के फॉर्म दिए हैं वह जनपद कार्यालय में जमा है।

सचिव ग्राम पंचायत गरेंठी राव साहब यादव।

इनका कहना ।

जिन लोगों को जो परेशानी है मैं दिखाता हूं पूर्व का हमारे पास कोई लेखा-जोखा नहीं है ना ही कोई जानकारी।

उपसरपंच राजपाल सिंह सोलंकी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा एवं किसान मोर्चा ने संयुक्त रूप से तमिलनाडु मंत्री टीएम अनवरसन का पुतला दहन किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । तमिलनाडु की सरकार में मंत्री टीएम मंत्रीअनवरसन द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी एवं जान से मारने की धमकी दी है इसके विरोध में परेड चौराहे पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा एवं किसान मोर्चा ने संयुक्त तमिलनाडु के मंत्री का पुतला दहन करते हुए विरोध प्रकट किया।भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संभागीय प्रभारी प्रोफेसर इकबाल अली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध टिप्पणी करने वाले तमिलनाडु बिहार के मंत्री और अनबरसन सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए वह अच्छी मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। पुणे टिप्पणी करने से पहले अपनी औकात को मालूम होना चाहिए तब किसी पर टिप्पणी करें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री के रूप में हर समाज में जागृत हुई।भाजपा अल्पसंख्यक

मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशफाक खान ने निंदा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध टिप्पणी करने वाले तमिलनाडु के मंत्री को तत्काल बर्खास्त कर और उन्हें सरकार से बाहर किया।श्री मोदी की लोकप्रियता से भयभीत होकर मुस्लिम समाज के लिए यह मंत्री कलंक है इसे भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है भाजपा संकट मोर्चा इसकी कठोर निंदा करता है।भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा एवं किसान मोर्चा के समस्त कार्यकर्ता तमिलनाडु के मंत्री का पुतला हाथ में लेते हुए परेड चौराहे पर पहुंचे जहां अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशफाक खान ने पुतले को मोखाब नहीं देकर जमकर उनकी पिटाई की। पुतला दहन कार्यक्रम में भाजपा सुभाष मंडल के अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया टीपू, किसान मोर्चा के जिला महामंत्री धर्मेंद्र सिंह राजावत, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अवनीश त्रिपाठी भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य अतुल पाठक किसान मोर्चा के जिला मंत्री महेंद्र सिंह कुशवाहा सूरज बरुआ दिनेश तिवारी राजीव बरुआ राजू जैन मुन्ना खान बबलू खान मुकिन खान अनवर खान अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष असलम खान किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष शंकर सिंह राजावत जब्बार खान आदि लोग काफी संख्या में मौजूद थे।

अम्बाह एसडीओपी रबि भदौरिया ने नगर में दिखाई सक्रियता किया फ्लैग मार्च

कोई डराये धमकाए या ब्यापारियों से गुंडागर्दी करे तो दें तुरन्त सूचना ...अमर सिंह सिकरवार

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिह चैहान के निर्देशन में एवं एसडीओपी अम्बाह रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अम्बाह अमरसिह सिकरबार ने ब्यापारियों से फ्लेग मार्च के दौरान हाथ मे डंडा लेकर अपने बल के साथ सड़क पर उतरे और नगर भ्रमण किया आवारा घूमने बालों से पूंछतांछ की ओर हिदायत दी कि अगर अब फालतू घूमते मिले तो कार्यबाही की जाएगी आगे उन्होंने ब्यापारियों की दुकान के आगे रखे सामान को हटाने एवम बाड़ार में रोड बाधित करने बाले ठेलों को भी हिदायत दी और

कहा कि अपनी जगह निश्चित कर ले बर्ना कार्यबाही की जाएगी किसी को बक्सा नही जायेगा बीच रोड पर खड़े बहान चालकों को भी हिदायत दी कि गाड़ी पार्किंग की जगह पर ही लगाएं बर्ना कार्यबाही की जाएगी थाना प्रभारी का अंदाज देखकर अपराधी एवम असमाजिक तत्वों में हड़कंप मचा हुआ है और सब भूमिगत होने की जुगत में लगे हुए है तो वहीं ब्यापारी एवम आमजन थाना प्रभारी की भूरी भूरी प्रसंसा करते हुए नजर आ रहे है इस दौरान थाना प्रभारी ने लोगों से पूछा की ऐसा व्यक्ति तो नहीं हैं, जो अवैध शराब बेच रहा हो कोई अवैध हथियार लेकर तो नहीं घूम रहा, कोई डरा धमका तो नहीं रहा ऐसे ब्यक्ति की तुरन्त सूचना पुलिस को दें उसपर तत्काल कार्यवाही की जायेगी आप निडर रहे अगर किसी भी प्रकार की कोई समस्या है तो कभी भी अगर थाने में मिल सकते है ।

विष्णु समाज राजनकुंटे की नई कार्यकारिणी गठित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू।समस्त विष्णु समाज राजनकुंटे की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है जिसमें अध्यक्ष रेवतराम देवासी बाली, उपाध्यक्ष सुखाराम जाट सचिव माणकराम कुमावत सह सचिव रेवतराम देवासी कोषाध्यक्ष चंद्रप्रकाश सीरवी सह कोषाध्यक्ष रतनलाल गुर्जर को पूरे मार्केट की तरफ से सर्वसम्मति से चुना गया है। अध्यक्ष को साफा और साल द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर मांगीलाल देवासी,बाबूलाल जाट, नाथूराम पटेल,मोतीलाल सीरवी ,गोपाल जाट, रेवतराम माधुराम सीरवी देवासी,देवाराम जाट माणकराम देवासी, चंपालाल कुमावत, भंवरलाल सिरवी, गजाराम सीरवी, बिजाराम देवासी, रूगाराम सीरवी, सुखदेव गोदारा पन्नालाल जाट नेमीचन्द कुमावत और समस्त विष्णु समाज राजनकुंटे के व्यापारी उपस्थित थे।

आचार संहिता के प्रभावी होते ही संपत्ति विरूपण हटाने की कार्यवाही प्रारंभ

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम की घोषणा होने के साथ ही जिले में भी आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में संपत्ति विरूपण हटाने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है जिले के नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय संपत्ति पर किए गए विरूपण को 24 घंटे के भीतर हटाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार सार्वजनिक स्थलों पर किए गए विरूपण को 48 घंटे के भीतर हटाने के की कार्यवाही करने कहा गया है । निजी संपत्ति पर बिना अनुमति के किए गए विरूपण को 72 घंटे के भीतर हटाने की कार्यवाही की जाएगी। जिले के सभी नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय संपत्ति पर किए गए विरूपण को हटाने केलिए ताबड़तोड़ कार्यवाई प्रारंभ कर दी गई है।

संकल्प प्रोजेक्ट में खरगोन जिला शामिल

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

नवजात शिशु मृत्यु दर कम करने होंगें विशेष प्रयासभारत सरकार द्वारा संकल्प प्रोजेक्ट के अंतर्गत नवजात शिशुओं की मृत्यु दर कम करने के लिए पूरे भारत में 10 जिलों का चयन किया गया है। जिसमे खरगोन जिला भी शामिल है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार से टास्क फोर्स मेंबर डॉक्टर रमेश अग्रवाल 3 साल के प्रोजेक्ट की रणनीति बनाने खरगोन पहुंचे है। डॉ अग्रवाल ने 15 मार्च को कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा से भेंट कर जिले में नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करने के संबंध में चर्चा की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम एस सिसोदिया, आरबीएसके के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष भद्रावले एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में आदर्श आचरण संहिता लागू

मतदान 7 मई मंगलवार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मतगणना 4 जून को होगी

भिण्ड । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की घोषणा आज दिनांक 16 मार्च 2024 को कर दी गई है। घोषणा होने के साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि राजपत्र की अधिसूचना 12 अप्रैल 2024 शुक्रवार को जारी होगी। नामांकन करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2024 शुक्रवार, नामांकन की जांच 20 अप्रैल 2024 शनिवार को होगी। नामांकन वापिस लेने की अंतिम तिथ 22 अप्रैल 2024 सोमवार रहेगी। साथ ही मतदान 7 मई 2024 मंगलवार को होगा, जिसकी मतगणना 4 जून 2024 मंगलवार को होगी।भिण्ड-दतिया लोकसभा क्षेत्रान्तर्गत 18 लाख 93 हजार 631 कुल मतदाता है। जिसमें 10 लाख 19 हजार 722 पुरूष एवं 8 लाख 73 हजार 872 महिला एवं 37 ट्रांस जेण्डर मतदाता है। जिसमें सर्विस वोटर 12 हजार 687 तथा पीडब्ल्यूडी 15 हजार 18 मतदाता है।

कांग्रेस के सिपाहियों को षड्यंत्र कर झूठे मामले में फसाना भाजपा की पुरानी नीति - मानसिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भाजपा चुनावी बादे भूलकर कांग्रेस कार्यकर्ताओ पर एफआईआर करने में व्यस्त

सांसद ने लहरौली गांव को आदर्श गांव बनाने का किया था आदेश, वर्तमान स्थिति जस की तस

भिण्ड । भाजपा चुनावी वादे पूरे करने की बजाय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर एफआईआर करने में व्यस्त है यह बात कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने शनिवार को दोपहर 2 बजे प्रेस वार्ता के माध्यम से कही।

प्रेस वार्ता के माध्यम से कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने कहा कि हाल ही में अटेर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पावई गांव के लोगो के ऊपर झूठी एफआईआर की गई थी।उनकी केवल यह गलती थी कि उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का साथ देनेका काम किया था।जबकि वो लोग उस समय सरकारी दफ्तरों में मौजूद थे।अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा किस प्रकार की रणनीति से कार्य कर रही है।इस पूरे मामले की शिकायत मेरे द्वारा भिण्ड पुलिस अधीक्षक से भी की गई है।पावई थाने में विगत दो दिवस पहले हुई एफआईआर का हवाला देते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नेता अपने चुनावी वादे भूल चुके हैं ।उनका केवल एक ही मकसद है।कि कांग्रेस के जो कट्टर सिपाही हैं उन पर षड्यंत्र के तहत झूठी एफआईआर करना है।इतना ही नहीं जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने कहा कि झूठे मामले में फसाना भाजपा की पुरानी नीति है।जिला अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में मेहगांव जनपद उपाध्यक्ष शेलेन्द्र सिंह भदौरिया को भी षड्यंत्र के तहत फसाया गया था।जनपद उपाध्यक्ष को ग्वालियर से गिरफ्तार करके गोरमी

थाने में आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी बनाया गया था। इतना ही नहीं कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नेताओं के द्वारा मुझे भी षड्यंत्र के तहत फसाया गया है।इसके अलावा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि भाजपा भिंड में मेडिकल कॉलेज खुलवाने से लेकर, ग्वालियर भिंड इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग को 6 लाइन बनवाने एवं भिंड को नगर निगम बनवाने की घोषणाएं कई बार कर चुकी है।परंतु धरातल पर अभी तक कोई भी कार्य चालू नहीं कराया गया। भाजपा को चुनाव के समय ही विकास कार्यों की याद आती है चुनाव होने के बाद फाइलें ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं।जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा केवल नारियल फोड़ने का कार्य करती है।कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने सांसद संध्या राय पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने लहरौली गांव को आदर्श गांव बनाया था मगर लहरौली गांव में विकास कार्य कराना तो दूर की बात बल्कि चुनाव के बाद से आज तक गांव की स्थिति जस की तस है।वहां के लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीने के लिए मजबूर हैं।अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आदर्श गांव की स्थिति यह है तो फिर अन्य गांवों की स्थिति क्या होगी।कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने बताया कि कांग्रेस ने भिंड से फूल सिंह बरैया को अपना प्रत्याशी बनाया है। जनता फूल सिंह बरैया को जिताकर भाजपा के झूठे वादे उजागर करने के लिए तैयार है। वार्ता में इरशाद अहमद,वीरेंद्र सिंह यादव,पंकज त्रिपाठी,धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया,महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रेखा भदौरिया,योगेश कुमार आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे

1950 वोटर हेल्पलाईन एवं सी-विजिल हेतु जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु निर्वाचन से संबधित कार्यों के सुचारू संचालन हेतु नोड़ल अधिकारी एंव नोडल अधिकारी के सहयोगी अधिकारी नियुक्त किये जाकर विभिन्न कार्य दायित्व सौंपे गये हैं।उक्त आदेश के परिप्रेक्ष्य में लोकसभा निर्वाचन 2024 की संपूर्ण प्रक्रिया समापन होने तक जिला मुख्यालय स्तर पर कलेक्ट्रेट शिवपुरी स्थित लोक सेवा कार्यालय कक्ष को 1950 वोटर हेल्पलाइन एवं सी-विजिल हेतु जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया जाता है।लोकसभा निर्वाचन 2024 कन्ट्रोल रूम का फोन नंबर 07492-233811 रहेगा। कन्ट्रोल रूम के प्रभारी के रूप में लोक सेवा केंद्र के प्रबंधक रवि शर्मा (9425741303) को नियुक्त किया गया है। लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु जिला स्तर पर स्थापित 1950 वोटर हेल्पलाइन एवं सी-विजिल हेतु जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी चक्रीय क्रम में तीन शिफ्ट में लगाई गई है। कन्ट्रोल रूम प्रभारी समस्त पर्यवेक्षण अधिकारी एवं सहायक कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाना सुनिश्चित करेगें।

गुना लोकसभा से बसपा उतार रही दमदार प्रत्याशी - धनीराम जाटव

अन्य पार्टियों के सांसदों से अधिक ईमानदारी के साथ रखेगे लोकसभा मैं अपनी बात

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- बहुजन समाज पार्टी जिला अध्यक्ष शिवपुरी धनीराम चौधरी ने बताया कि बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में जिला स्तरीय सामाजिक परिवर्तन, बामसेफ, स्रह्म4, बसपा संस्थापक मान्यवर साहब कांशीराम जी की जयंती के अवसर पर विचार संगोष्ठी का आयोजन कर्मचारी भवन एवी रोड शिवपुरी में किया गया जिसके मुख्य अतिथि माननीय एडवोकेट दिलीप बौद्ध जी जॉन प्रभारी ग्वालियर भोपाल बसपा मध्य प्रदेश रहे विशेष अतिथि के रूप में माननीय सुआलाल जाटव , सुरेश जाटव जिला प्रभारी रहे इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय धनीराम चौधरी जिला अध्यक्ष जिला शिवपुरी ने की मुख्य अतिथि माननीय एडवोकेट दिलीप बौद्ध जी ने अपने उद्बोधन में कहा की लोकसभा का चुनाव का रिजल्ट आपको पोलिंग बूथ और सेक्टर बूथों पर जायें सर्व समाज में भाईचारा बना बनाएं सर्वजातीय सम्मेलन एवं पिछड़ा वर्ग सम्मेलन अनुसूचित जाति,जनजाति का सम्मेलन करायें और जब आपने वर्ष 2019 में लोकसभा के चुनाव में बसपा से प्रत्याशी लोकेंद्र सिंह

राजपूत को कांग्रेस ने बैठा लिया था फिर भी गुना शिवपुरी लोकसभा से प्रत्याशी भागने पर भी माननीय बहन जी के द्वारा केन निकलने से अपील भेज कर प्रचार प्रसार करते हुए जबकि प्रत्याशी ना होते हुए 47000 के लगभग वोट हाथी पर डलवाए क्योंकि हमारा कैडर वोट है जब हमारा प्रत्याशी नहीं बैठता तो हम चुनाव जीतने की कगार पर थे बसपा एक ऐसा मूवमेंट है भले ही सांसद जीते हैं ना जीते विधायक जीते ना जीते महापुरुषों की विचार धारा वाली पार्टी है दलितों शोषितों पीड़ितों अल्पसंख्यक माइनोरिटी के लिए सदैव तैयार रहती है बसपा जिला अध्यक्ष धनीराम चौधरी ने भाजपा सरकार पर प्रहार करते हुए कहा गया कि आज तक भाजपा सरकार व पूर्व में कांग्रेस सरकार ने दलितों पिछड़ों के लिए शिवपुरी जिले की जनता माधव चौराहे पर रोजी-रोटी के लिए बड़ा जमघट लगा रहता है अगर हमारे लोकसभा चुनाव में सांसद जीतकर के आते हैं तो उनके लिए उद्योग धंधे सारी सुख सुविधाएं मुहैया कराएंगे अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों पर दबंगों द्वारा सरेआम हत्या, बलात्कार, मारपीट कर हत्याएं की जा रही है अपराधी निरंकुश हैं कई अपराधियों को जेल की सलाखों में नहीं भेजा है अपराधी बेखौफ घूमते हैं लोकसभा के चुनाव को मध्य नजर रखते हुए जिले के संगठन में उलट फेर करते हुए जिला उपाध्यक्ष शांतिदास फले एवं करैरा में विधानसभा अध्यक्ष जीएस परछोरिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है साथ ही जयंती को उपरांत जयंती विचार संगोष्ठी के उपरांत कर्मचारी भवन से एक रैली के रूप में पार्टी के नारे लगाते हुए माधव चौक चौराहे पर मान्यवर साहब कांशीराम जी का फोटो पर फूल माला से मुख्य अतिथि दिलीप बौद्ध जी ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सम्मान किया।

सांसद ने लहरौली गांव को आदर्श गांव बनाने का किया था वादा,वर्तमान स्थिति जस की तस

कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने सांसद संध्या राय पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने लहरौली गांव को आदर्श गांव बना कर, वादा किया था मगर लहरौली गांव में विकास कार्य कराना तो दूर की बात बल्कि चुनाव के बाद से आज तक गांव की स्थिति जस की तस है।वहां के लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीने के लिए मजबूर हैं।अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आदर्श गांव की स्थिति यह है तो फिर अन्य गांवों की स्थिति क्या होगी।कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने बताया कि कांग्रेस ने भिंड से फूल सिंह बरैया को अपना प्रत्याशी बनाया है।जनता फूल सिंह बरैया को जिताकर भाजपा के झूठे वादे उजागर करने के लिए तैयार है भिण्ड भाजपा चुनावी वादे पूरे करने की बजाय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर एफआईआर करने में व्यस्त है यह बात कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने शनिवार को दोपहर 2-00 बजे प्रेस वार्ता के माध्यम से कही।प्रेसवार्ता के माध्यम से कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने कहा कि हाल ही में अटेर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पावई गांव के लोगो के ऊपर झूठी एफआईआर की गई थी।उनकी केवल यह गलती थी कि उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का साथ देनेका काम किया था।जबकि वो लोग उस समय सरकारी दफ्तरों में मौजूद थे।अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा किस प्रकार की रणनीति से कार्य कर रही है।इस पूरे मामले की शिकायत मेरे द्वारा भिण्ड पुलिस अधीक्षक से भी की गई है।पावई थाने में विगत दो दिवस पहले हुई एफआईआर का हवाला देते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नेता अपने चुनावी वादे भूल चुके हैं ।उनका केवल एक ही मकसद है।कि कांग्रेस के जो कट्टर सिपाही हैं उन पर षड्यंत्र के तहत झूठी एफआईआर करना है।इतना ही नहीं जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने कहा कि झूठे मामले में फसाना भाजपा की पुरानी नीति है।जिला अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में मेहगांव जनपद उपाध्यक्ष शेलेन्द्र सिंह भदौरिया को भी षड्यंत्र के तहत फसाया गया था।जनपद उपाध्यक्ष को ग्वालियर से गिरफ्तार करके गोरमी थाने में आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी बनाया गया था।

मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने 44 करोड़ की लागत से बनने वाले विद्युत सब स्टेशनों का भूमि पूजन किया

भिण्ड।मध्य प्रदेश सरकार में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत 44 करोड़ विद्युत उपकेंद्र का अटेर रोड पर भूमि पूजन किया इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह विशेष रूप से मौजूद थे।मध्य प्रदेश सरकार में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने आर डी एस एस योजना के अंतर्गत 22 करोड़ की लागत से इटावा रोड भिण्ड 33/के व्ही 5 एम व्ही उप केंद्र अटेर रोड भिंण्ड से 22 करोड़ विद्युत उपकेंद्र का भूमि पूजन किया।अटेर रोड स्थित विद्युत उपकेंद्र के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राकेश शुक्ला ने कहा कि आप सभी ने कांग्रेस की सरकार का कार्यकाल देखा है विकास की कोई बात नहीं की गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार डबल इंजन के रूप में विकास और प्रकृति के लिए योजनाएं बनाकर नीचे तक उतार रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में एक भी बिजली का उत्पादन नहीं किया गया पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार ने बिजली की समस्या से निजात दिलाने के लिए सर्वप्रथम बिजली का उत्पादन कर 24 घंटे बिजली जनता की जन सेवा के लिए उपलब्ध कराने का काम किया अब प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में बिजली की कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मिशन 2024 लोकसभा चुनाव में हम सब चुनाव के मैदान में खड़े हैं नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए हम सब भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत के साथ जीतकर उनके हाथों को मजबूत करें जब केंद्र में हमारी भाजपा की सरकार होगी तो केंद्र प्रदेश की डबल में इंजन की सरकार विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं और लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में मैं आपसे वादा करता हूं की बिजली की समस्या पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की कांग्रेस सरकार में चरम सीमा तक पहुंच गई थी जब मैं 2003 में आंदोलन किया था उसे समय पूरा मध्य प्रदेश लालटेन युग में था जैसे ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी बिजली का इतना उत्पादन हुआ मध्य प्रदेश में अब हम दूसरे राज्यों को भी बिजली पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा विद्युत केंद्र बनने से बिजली कोई समस्या नहीं होगी। पूरे समय बिजली की सप्लाई जनता तक पहुंचेगी। उन्होंने भूमि पूजन कार्यक्रम के माध्यम से जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव विकास और प्रगति के लिए है इसलिए हम सब एक होकर भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी को कमल के फूल पर मोहन लगाकर उन्हें प्रचंड बहुमत के साथ विजई बनाइए केंद्र में हमारी सरकार मध्य प्रदेश में हमारी सरकार और सांसद भी हमारा होगा

मल्टीप्लेक्स में रोजगार

मल्टीप्लेक्स आज फिल्मों और मनोरंजन की दुनिया का अहम भाग बन चुके हैं। हर नई रिलीज होती फिल्म अपने से पिछली रिलीज हुई फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ती हुई करोड़ों रुपए का बिजनेस करती नजर आती है।यह सब मल्टीप्लेक्स के ट्रेंड से ही संभव हो पाया है। हर फैमली सप्ताह के अंतिम दिनों में बाहर मौज-मस्ती करना चाहती हैं और सभी के पास मल्टीप्लेक्स का विकल्प सबसे पहले तैयार होता है। आखिर एक ही जगह जब चार-पांच अलग-अलग फिल्में दिखाई जा रही हों, तो लोगों के पास अपनी पसंदीदा फिल्में देखने के भरपूर विकल्प मिल जाते हैं। तो कैसा हो यदि आपको ऐसी रोमांचक जगह पर कैरियर मिल जाए?

वर्तमान परिप्रेक्ष्य- आजकल आमतौर पर एक सिनेमा हॉल में लगभग 100 लोग काम करते हैं जिसमें से 30 डायरेक्ट जॉब पर होते हैं, 20 लोग एजेंसियों के माध्यम से जुड़े होते हैं और इन लागों में हाउस बॉयज से लेकर क्रू मेंबर तथा सिनेमा मैनेजर प्रॉफिट सेंटर हेड तक शामिल होते हैं।

आवश्यक योग्यता एवं वेतन

■ सिनेमा मैनेजर की पोजिशन के लिए हॉस्पिटेलिटी या रिटेल में ग्रेजुएट होने के साथ-साथ करीब छह या अधिक वर्षों का अनुभव होना आवश्यक है।

■ टीम लीड तथा शिफ्ट मैनेजर की पोजिशन के लिए हॉस्पिटेलिटी या रिटेल में ग्रेजुएट होने के साथ-साथ 3 या अधिक वर्षों का अनुभव होना चाहिए।

■ क्रू मेंबर व अन्य स्थानों के लिए ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट छात्र या फैशर्स की मांग अधिक रहती है। इसके अतिरिक्त, आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है।

■ यदि सेलरी की बात की जाए तो शैक्षिक योग्यता और अनुभव के आधार पर जहां सिनेमा मैनेजर की सेलरी रेंज 25,000 से 35,000 रुपए प्रतिमाह होती है, वहीं टीम लीडर और शिफ्ट मैनेजर की सैलरी रेंज 17,500 से 25,000 रुपए प्रति माह होती है।

■ क्रू में आमतौर पर फ्रैशर्स और छात्र चुने जाते हैं और उनकी सेलरी 5,000 से 9,000 रुपए प्रतिमाह हो सकती है।

क्योंकि ये इंडस्ट्री काफी से वृद्धि कर रही है, इसलिए इसमें एक ही कंपनी में और एक ही लोकेशन में विकास के काफी अवसर हैं। मल्टीप्लेक्स की बढ़ती तादाद के साथ-साथ रिटेल इंडस्ट्री को भी काफी फायदा पहुंच रहा है। इसके अलावा युवाओं के लिए सबसे रोमांचक बात मल्टीप्लेक्स में कैरियर होने पर आप आसानी से हर फिल्म के फर्स्ट डे फर्स्ट शो का लुत्फ उठा सकते हैं। मल्टीप्लेक्स की दुनिया 3 तरह की नौकरियों के विकल्प देती है।

■ डायरेक्ट जॉब

■ एजेंसी के माध्यम से इनडायरेक्ट जॉब

■ एलाइड या वेंडर जॉब जैसे फूड एंड बार, पेपर पैकिंग, इंटीरियर आदि।

अगले 5 सालों में 900 नए मल्टीप्लेस के कारण लगभग 10,000 सीधी नौकरियों के विकल्प भी सामने आने वाले हैं। इन नौकरियों में क्यू और सुपरवाइजरी स्टाफ आदि के विकल्प हैं। एजेंसियों के माध्यम से खुलने वाली लगभग 10,000 ही इनडायरेक्ट जॉब होगीं, जिसमें हाउसकीपिंग, सिक्युरिटी, मैनटेंनस आदि शामिल हैं। इसके अलावा, हर साल करीब 5000 एलाइड व वेंडर जॉब की आवश्यकता होगी, जिसमें फूड एंड बार वेंडर, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर वर्क्स आदि शामिल हैं। इस आंकड़ों में प्रति वर्ष 25 प्रतिशत की वृद्धि होने की भी प्रबल संभावना है।

यही नहीं, इन 25,000 नई नौकरियों के अलावा मल्टीप्लेक्स इंडस्ट्री में हर साल 1,200 अन्य प्रतिष्ठित संसाधनों की भी आवश्यकता होगी और खास बात ये है कि 20 से 30 वर्ष की आयु वाले नौजवानों के लिए इतनी भारी तदाद में नौकरियों की ये मांग आमतौर पर छोटे शहरों में होगी जहां मल्टीप्लेक्स ट्रेंड फैलना शुरू हुआ है। इंस्टिट्यूट मल्टीप्लेक्स से जुड़े क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए मुख्य रूप से मैनेजमेंट, इंटीरियर, हॉस्पिटेलिटी, रिटेल आदि से संबंधित संस्थानों से कोर्स किए जा सकते हैं।

बॉडी लैंग्वेज आसानी से दिलाती है जॉब

बेशक आपकी नॉलेज और दूसरी स्किल्स बेहतरीन हों,लेकिन अगर आपकी बॉडी लैंग्वेज दुरुस्त नहीं है तो आपके लिए जॉब पाना आसान नहीं होगा। इसलिए बेहतर होगा कि अगली बार इंटरव्यू देते वक्त आप अपनी बॉडी लैंग्वेज का भी ख्याल रखें।आज कम्यूनिकेशन का मतलब सिर्फ बोलचाल नहीं है बल्कि आपके अंदाज से भी आपके मन में चल रही बातों को भी समझा जा सकता है। टेक्निकल लैंग्वेज में इसे बॉडी लैंग्वेज कहा जाता है। गौरतलब है कि इंटरव्यू के दौरान सही कैंडिडेट चुनने में बॉडी लैंग्वेज बड़े काम की चीज साबित हो रही है। ज्यादातर एचआर मैनेजर्स बॉडी लैंग्वेज को देखकर ही कैंडिडेट्स का सिलेक्शन करते हैं।

सिर्फ बॉडी लैंग्वेज ही नहीं

आपको बता दें कि बिना शब्दों की भाषा यानी नॉन वर्बल कम्युनिकेशन में सिर्फ बॉडी लैंग्वेज,हाव-भाव, चेहरे की मुद्रा और आई कॉन्टैक्ट ही शामिल नहीं होते,बल्कि कई एक्सपर्ट आवाज की टोन और उतार-चढ़ाव को भी इसी कैटिगरी में रखते हैं। कोई कैंडिडेट इंटरव्यू में तभी सक्सेस हासिल कर सकता है जब वह तमाम सावधानियों के साथ-साथ बोलने के स्टाइल पर भी कंट्रोल रखे।काफी प्रैक्टिस के बावजूद ऐसे कम्यूनिकेशन पर पूरी तरह कंट्रोल नहीं किया जा सकता ।जिससे मन के भाव किसी न किसी रूप में सामने आ ही जाते हैं। खासतौर पर इंटरव्यू की बात करें तो शब्दों का महत्व सिर्फ 10 प्रतिशत होता है। बाकी चीजें नॉन वर्बल कम्यूनिकेशन से तय होती हैं।

कैसी हो इंटरव्यू के समय आपकी बॉडी लैंग्वेज-

■ इंटरव्यू रूम में एंट्री करते ही बॉडी लैंग्वेज का सबसे पहला टूल हाथ मिलाना होता है। इंटरव्यूअर से हाथ मिलाते वक्त नर्वस न हों। इस दौरान आपकी थोड़ी सी भी झिझक सेल्फ कॉन्फिडेंस की कमी का संकेत होगी।

■ आप किस तरह बैठते हैं यह भी महत्वपूर्ण है। अगर आप कुर्सी के एक किनारे की तरफ बैठेंगे तो भले ही जोश से भरे दिखाई दें लेकिन इससे आपका डर भी झलकेगा। मानो आप किसी भी समय कमरे से बाहर भागना चाहते हैं।?

■ आपके हाथों की गतिविधियों से आपकी नर्वसनेस नहीं झलकनी चाहिए। इसलिए इंटरव्यू के दौरान सीट पर बैठकर न तो अपने नाखून कुतरिए ,न बालों पर हाथ फेरिए और न ही हाथों को मसलिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेंगें। पदोन्नति मिलने का योग है। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मित्रव्यवता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

हरि करे सो खरो अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरे के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3123

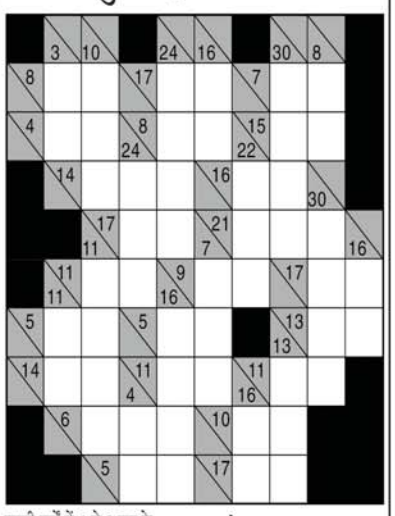

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3122 का हल

लॉफिंग जोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 3123

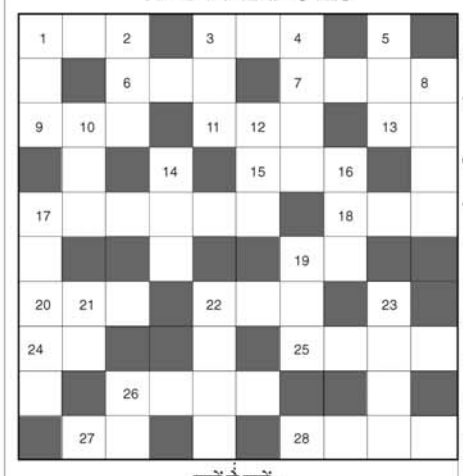

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता वाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बॉदवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3122

सूडोकु -3123

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3122 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3123

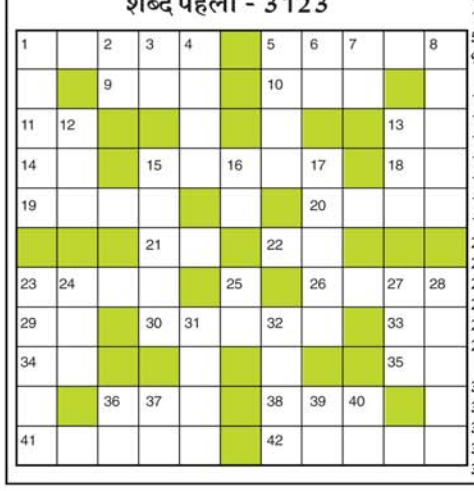

बाएँ से दाएँ

1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना,रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम,प्यार-2
13. थोड़ा,जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन,संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्,अच्छा-2
22. दम,ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आकर्षक.चिताकर्षक-5
2. वैक्स,मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ,कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. झामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता,बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न,नग-2
37. टी,चहा-2
39. याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -3122 का हल

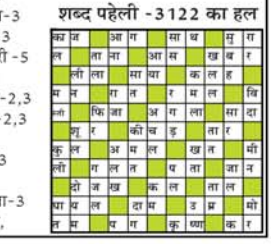

समिति सदस्यों ने फीता डालकर नापी जमीन, कहीं अवैध तो कहीं बिना परमिशन के लगा दिए होर्डिंग

ग्वालियर। होर्डिंग समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को निगम द्वारा शहरभर के विभिन्न स्थानों पर लगाए गए होर्डिंग, यूनिपोल का निरीक्षण किया। इस दौरान सदस्यों ने कई स्थानों पर फीता डालकर जांच की तो कम जगह की परमिशन होने के बाद भी होर्डिंग अधिक जगह लगा हुआ मिला। वहीं कई स्थानों पर समिति को अवैध होर्डिंग संचालित होते मिले तो कई स्थानों पर परमिशन किसी और जगह की और होर्डिंग कहीं और लगा मिला।

वहीं नगर निगम परिषद में होर्डिंग शाखा की गड़बड़ी की शिकायत आने के बाद सभापति की ओर से पांच सदस्यीय समिति गठित कर जांच करने के निर्देश दिए गए थे। दोपहर को होर्डिंग समिति सदस्य रवि तोमर उपनेता प्रतिपक्ष, पार्षद विवेक सोनू त्रिपाठी, सरोज हेवराज कंसाना, भगवान सिंह कुशवाह, उमा सिंह यादव, संजीव पोतनीस व नोडल अधिकारी सतेंद्र सिंह भदौरिया, रितेश शिवहरे व अग्निहोत्री के साथ शहरभर में लगे होर्डिंग व यूनीपोल का निरीक्षण किया। इस दौरान समिति सदस्यों को विभिन्न अनियमिताएं मिली।

हालांकि टीम अब अन्य स्थानों पर भी निरीक्षण करेगी और इसकी रिपोर्ट तैयार कर सदन में पेश करेगी।

समिति सदस्यों को यह मिली स्थिति-कलेक्ट्रेट के नीचे पेट्रोल पंप के पास बीच रोड पर बने डिवाइडर पर अवैध रूप से होर्डिंग लगा मिला। इसको सात दिन के अंदर हटाने के लिए कहा गया। खास बात यह है कि इस होर्डिंग की परमिशन कैलाश विहार की थी।राजमाता विजयराजे सिंधिया विवि के चौराह पर सदस्यों को एलईडी लगी मिली। जबकि इसकी मंजूरी मॉडल तानसेन की बताई गई।माधव नगर हरीशंकर पुरम के चौराह पर तीन होर्डिंग की परमिशन है। लेकिन यहां पर एक अवैध रूप से होर्डिंग लगा हुआ मिला। वहीं एक होर्डिंग दोनों ओर लगाकर रखा गया था।हाईकोर्ट चौराह पर भी दो बिल्डिंग में होर्डिंग को अधिक बढ़ाकर लगा रखा था। जिस पर अधिकारियों ने नोटिस देने की बात कही।महाराज मानसिंह तोमर के पास लगे यूनीपोल की कोई परमिशन नहीं थी। यह एक मीटर की दूरी पर था

नजर अंदाज कर रहे अधिकारी, उन्हें बदलने पर पकड़ में आ जाता है मिलावट माफिया

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने मिलावट माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं, लेकिन खाद्य एवं सुरक्षा विभाग मिलावट माफिया को पकडने में नाकाम दिख रहा है। मिलावट माफिया के अड्डे इनकी नजरों में है, लेकिन अड्डों को नजर अंदाज कर रहे हैं। जैसे ही अधिकारी बदलकर क्षेत्र में भेजे जाते हैं तो मिलावट की बड़ी खेप पकड़ी जाती है। अब तक की तीन कार्रवाई में ये तथ्य सामने आया है। वहीं दूसरी ओर खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम की मॉनिटरिंग कर रहे मुख्य चिकित्सा अधिकारी माफिया को पकडने फील्ड में नहीं आए। अभिहीत अधिकारी व सीएमएचओ डॉ आरके राजौरिया का कहना है कि मैं अभी जबलपुर हाईकोर्ट में पेश के लिए आया हूं। इसलिए अभी कुछ नहीं कहूंगा।

इस तरह पकड़े गए थे माफिया-हाईकोर्ट के आदेश पर फरवरी में मिलावट खोरों के

खिलाफ महाभियान चलाया गया। लश्कर क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मिलावट माफिया को पकडने के लिए डेयरी-डेयरी घूमे, लेकिन सैंपल लेकर अपनी खानापूर्ति कर ली। इसके बाद लश्कर क्षेत्र में एसडीएम को कार्रवाई के लिए भेजा गया तो सुरक्षा विभाग के अधिकारी हर कार्रवाई के लिए लश्कर क्षेत्र में जा रहे थे। जहां यह खेप पकड़ी, वहां पर छह महीने से पनीर मावा की लोडिंग हो रही थी।

महाभियान के दौरान डबरा में भी दल कार्रवाई के लिए दल निकले। डेयरी व दूधियों की 13 मार्च 12 मावा व 3 क्विंटल पनीर पकड़ लिया। जबकि खाद्य टंकियों से सैंपल लिए गए। महाअभियान खत्म होने के बाद पांच मार्च को दूसरा दल भेजा। डबरा में दिनेश शिवहरे के घर पहुंचे। घर में 200 किलो मावा रखा हुआ था। 1200 किलो घी भी ड्रमों में रखा था। दूध से क्रीम निकाल ली गई। जो सपरेटा दूध बचा उससे मावा तैयार किया गया। मावा में पॉमोलिन ऑइल को मिलाया जा रहा था।

मावा पकड़ा जाता, पर मालिक तक नहीं पहुंच पाते-भिंड व मुरैना से मावा बस के माध्यम से आ रहा है। जब बस में मावा या पनीर पकड़ा जाता है तो उसे जब्त कर लिया जाता है, लेकिन किसने भेजा और किस दुकान पर जा रहा था। उसका पता नहीं लगाया जा रहा है। नमूने लेकर नष्ट कर रहे है।हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नमूने न लिए जाएं। मावा कहां तैयार किया गया और किसने भेजा। यह पता लगाने के आदेश दिए थे,

स्कूल-कॉलेज में कुत्तों का आतंक, हर दिन 200 को काटने वाले कुत्तों पर देखें कैसे उमड़ा डॉग लवर्स का प्यार

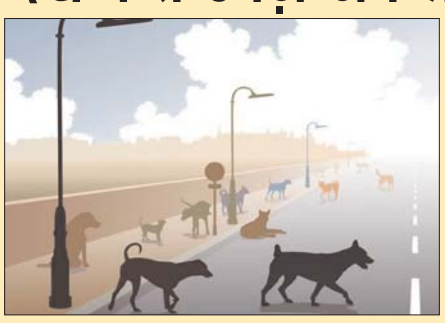

शहर में दिन प्रतिदिन कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। आलम यह है कि 100 से 200 लोग हर रोज कुत्तों का शिकार हो रहे हैं और अस्पताल में इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। शहर में इन दिनों लोग कुत्तों के आतंक से खौफ में हैं। शहर का ऐसा कोई इलाका नहीं है जहां इन आवारा कुत्तों के खौफ से लोग परेशान न हों।गली, मोहल्ले, चौराहे या पॉश कालोनी में रहने वाले लोगों में आवारा कुत्तों को लेकर दहशत बनी हुई है। इनके शिकार रोज एंटी रेबीज इंजेक्शन के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। इन कुत्तों का भय कोचिंग और स्कूलों के स्टूडेंट्स में भी डर का माहौल है। आवारा कुत्तों का आंतक इस कदर है कि शुक्रवार को जेएएच में 50 से अधिक लोग रेबीज का इंजेक्शन लगवाने पहुंचे। वहीं शहर के माधव कॉलेज, केआरजी, पदमा स्कूल, साइंस कॉलेज, एमएलबी कॉलेज, एलएनआईपी, जीवाजीराव स्कूल के बाहर आवारा कुत्तों का झुंड देखा गया।इन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि जब कुत्ता पकड़ने की शिकायत निगम को की तो मदाखलत अमला मौके पर पहुंचा और कुत्ते को पकड़कर बिरला नगर स्थित पुल के नीचे बने केज में छोड़ा गया। हालांकि कुछ स्थानों पर डॉग लवर्स ने विरोध का प्रयास भी किया, लेकिन वह कुत्ते पकड़ने से नहीं रोक सके।

डॉग लवर्स को देखकर भाग जाता है निगम अमला-जीवाजी विश्वविद्यालय लोगों ने बताया कि जब कभी निगम की टीम कुत्ते पकड़ने के लिए आती है तो डॉग लवर्स को देखते ही वह कुत्ते नहीं पकड़ते हैं। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने भी कुत्तों से खतरे की बात कही।

डॉग लवर्स नहीं पकडने देते आवारा कुत्तों को-नई सड़क स्थित माधव कॉलेज के आसपास रहने वाले राजेंद्र सिंह, विनोद, आरिफ सहित अन्य ने बताया कि कुत्तों के आंतक से उन्हें खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार निगम में शिकायत की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं डॉग लवर्स यहां से कुत्तों को नहीं पकड़ने देते। वहीं कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों ने बताया कि सड़क के साथ कॉलेज के परिसर में भी दिनभर कुत्ते घूमते रहते है, इससे डर लगता है।

दिनभर घूमता रहता है कुत्तों का झुंड-केआरजी व शासकीय पदमा विद्यालय के बाहर भी हर दिन आवारा कुत्तों का झुंड घूमता रहता है। कई बार निगम के मदाखलत अमले व जिम्मेदार अफसरों से शिकायत की जा चुकी है। लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। यहां हर दिन स्कूल व कॉलेज आने वाली छात्राओं में डर का महौल है।

एलएनआईपी में भी दिखाई देता है झुंड-एलएनआईपी परिसर और एलएनआईपी के बाहर भी हर दिन आवारा कुत्तों का झुंड देखा जा सकता है। यहां कभी कभी निगम के मदाखलत अमले की टीम इन्हें पकड़कर ले जाती है।

छात्रों की शिकायत पर भी सुनवाई नहीं करता निगम-साइंस व एमएलबी कॉलेज के परिसर और कॉलेजों के बाहर भी काफी संख्या में आवारा कुत्तों का झुंड देखा जा सकता है। यहां आने वाले विद्यार्थी भी कई बार निगम अमले को शिकायत कर चुके है, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। वहीं हर दिन डॉग लवर्स भी कॉलेज के बाहर दिखाई देते है।

शासकीय पूर्व माध्य. व प्राथमिक शाला धोबनमाल में पुरस्कार वितरण और बिदाई समारोह का आयोजन न्यौता भोज के साथ

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी

शासकीय पूर्व माध्य. व प्राथमिक शाला धोबनमाल, संकुल - मुचबहाल, वि.खं. -मैनपुर, जिला - गरियाबंद (छ.ग.), में आज दिनांक 16.03.2024, दिन - शनिवार को शाला प्रांगण में पुरस्कार वितरण सह बिदाई समारोह का कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती के पूजा-अर्चना व वंदना के साथ किया गया, जिसमें शाला के छात्र-छात्राओं को वर्ष भर होने वाले विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया और कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं को दुखी भाव से बिदाई दिया गया जिसमें आठवीं की छात्राओं कु. नमिता ध्रुव, कु. सुमित्रा यादव और छात्र पवित्रो ओटी ने अपना अनुभव बाकी छात्र-छात्राओं को बताया तथा श्री टीकम सिंह मांझी प्रधानपाठक शा.पूर्व माध्य. शाला धोबनमाल के जन्मदिवस के शुभ-अवसर पर मध्याह्न भोजन स्वसहायता समूह के अध्यक्ष श्री नवल किशोर यादव जी व शाला के शिक्षकों के द्वारा राज्य सरकार की महंती कार्यक्रम न्यौता भोज का सफल आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों में विशेष उत्साह व प्रसन्नता चेहरों से झलक रही थी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मा.शाला के प्रधानपाठक श्री मांझी जी ने बच्चों को प्रेरणा

दायक बात कही व मन लगाकर पढ़ाई करने के

लिए प्रेरित किए कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे

प्राथमिक शाला के प्रधानपाठक श्री शिवचरण सिंह ठाकुर जी ने आने वाले वर्षों में बच्चों से विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किए विशिष्ट अतिथि के रूप में संकुल समन्वयक मुचबहाल श्री जगजीवन ठाकुर जी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम का आयोजन हमारे संकुल में पहली बार हुआ है और आगे भी संकुल के सभी शालाओं में होना चाहिए कहते हुए कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किए कार्यक्रम का संचालन श्री अनिष कुमार सोनकर (शिक्षक) के द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री हुमेन्द्र सिंह ध्रुवा, श्री सुकलाल नेताम (शिक्षक), श्री नंदकुमार सोनवानी, श्री गजमन सिंह ठाकुर (सहायक शिक्षक), मा.शाला के अध्यक्ष श्रीमती टेमनी बाई, प्राथमिक शाला के अध्यक्ष श्री प्रश्न कुमार ध्रुव, पालक सदस्य श्री सुदर्शन ध्रुव, श्री भुलेश्वर दास, श्री तीरथ यादव, श्री नीलाधर यादव, श्री भुवने ध्रुव, और मातृशक्ति के रूप में श्रीमती तुलसाय ध्रुव, श्रीमती गुलापी बाई, श्रीमती मंजुला यादव, श्रीमती धनमती यादव, श्रीमती सुकांती ध्रुव और कु. गीता यादव एवं छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा तथा ग्राम पंचायत धोबनमाल के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया

सोशल मीडिया पर विदेशी महिला के चंगुल में फंसा रिटायर्ड इंजीनियर, लालच में आकर गंवाए लाखों रूपए

मध्यप्रदेश के ग्वालियर से ठगी का नया मामला सामने आया है। एक रिटायर्ड इंजीनियर ने लालच में आकर लाखों रूपए का नुकसान कर लिया है। बता दें कि रिटायर्ड इंजीनियर की सोशल मीडिया प्लेफार्म फेसबुक पर एक विदेशी महिला से दोस्ती हुई। जिसके चंगुल में फंसकर उन्होंने लाखों रूपए का नुकसान करवा लिया। इसके बाद इसकी शिकायत ग्वालियर क्राइम ब्रांच में की गई है।

कैसे जाल में फंसे रिटायर्ड इंजीनियर-सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के माध्यम से रिटायर्ड इंजीनियर विजय कुमार ने बताया कि उनकी दोस्ती डॉ लौरा एल्विस से फेसबुक पर हुई। उसने बताया कि वो इंग्लैंड की एक फार्मा कंपनी में काम करती है। उसकी कंपनी मोटापा कम करने की दवाई बनाती है।इसपर लौरा का कहना था कि मोटापे की दवाई तैयार करने में हर्बल दवाई का प्रयोग किया जाता है।जो कि भारत में मिलता है। उनका एक सप्लायर इंडिया से हर्बल दवाई सप्लाई करता था। लेकिन उसकी डेथ हो जाने के

कारण अब ने सप्लायर की तलाश है।डॉ लौरा ने विजय कुमार से कहा कि मोटा पैसा कमाना है तो वह इस कंपनी का सप्लायर बन सकते हैं। उसने आगे कहा कि कंपनी को जो मटेरियल चाहिए वो हैदराबाद में मिलता है। इसके लिए पहले उसका सैंपल भोजना होगा।जिसे कंपनी का कोई सदस्य आकर देखेगा और अगर प्रोडक्ट पसंद आएगा तो उसे कंपनी सप्लायर बना लेगी।

डॉ लौरा की बातों में आकर विजय कुमार ने 8 लाख रूपयों से आठ सैंपल खरीदे। जिन्हें दिल्ली में महिला के बताए आदमी को पास दे दिए गए।इसके बाद महिला के कहने पर 40 और सैंपल विजय कुमार ने खरीद लिए। इसके लिए रिटायर्ड इंजीनियर विजय कुमार शर्मा ने लगभग 50 लाख रूपयों का ट्रांसजेक्शन कर दिया। लेकिन उसके बाद उन्हें कंपनी से कोई ऑर्डर नहीं मिला। इसके बाद उन्हें भनक लगी कि उनके साथ फ्रॉड हो गया है।तो उन्होंने ग्वालियर क्राइम ब्रांच में जाकर शिकायत दर्ज कराई। ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने धारा 420 और आईटी एक्ट 66 के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रात को दोस्त ने मिलने के लिए बुलाया, नहीं जाने पर कर दी घर में फायरिंग

मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले में अपराध रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। कुछ युवकों ने अपने ही दोस्त के घर में फायरिंग कर दी। जिससे वह बाल-बाल बच गया। यह घटना ग्वालियर के गुदड़ी मोहल्ले की है। जहां मोहल्ले वालों फायरिंग करने वाले और उसके साथी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

क्या है मामला-यह घटना ग्वालियर के ग्वालियर थाना क्षेत्र के गुदड़ी मोहल्ले की है। दरअसल, गौरव मौर्य के लड़के के दो दोस्त रोहित और रिका उसे 11 बजे रात को फोन करके मिलने के लिए बुला रहे थे।लेकिन बुलाने के बावजूद नहीं आने पर दोनों दोस्त भड़क गए और इंस्टग्राम पर जमकर गाली-गलौज करने लगे। अगले दिन दोपहर में दोनों गौरव के घर पहुंचे और उसको बाहर बुलाया। जब वह बाहर आया तो दोनों उसके साथ गाल-गलौज करने लगे और देखते ही देखते हाथापाई होने लगी। इसी बीच गौरव को बचाने के उसकी मां आई तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी।

ये भी पढ़ें - सोशल मीडिया पर विदेशी महिला के चंगुल में फंसा रिटायर्ड इंजीनियर, लालच में आकर गंवाए लाखों रूपए

मोहल्ले की एकजुटता से पकड़ाए आरोपी-फायरिंग के दौरान गौरव बाल-बाल बच गया। लेकिन फायरिंग के दौरान मोहल्ले में दहशत का माहौल बन गया।मोहल्ले वालों को एकजुट देख दोनों आरोपी भागने की फिराक में थे। लेकिन आरोपी रोहित को पकड़ लिया गया। वहीं दूसरा आरोपी रिका मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर सीसीटीवी चेक किया तो आरोपी कैमरे में बंदूक लेते हुए भाग रहा था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है और आरोपी रोहित के दूसरे साथी की तलाश कर रही है।

एमपी में तेजी से बढ़े हवाई यात्री, 81 प्रतिशत फुल रही फ्लाइट्स

ग्वालियर एयरपोर्ट ने फरवरी महिने में ट्रेवल करने वाले यात्रियों के आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें बताया गया है कि मुंबई के लिए चलने वाली फ्लाइट में 81 प्रतिशत तक सीटें भर गई थी।ग्वालियर एयरपोर्ट की ओर से फरवरी माहिने के यात्रियों के आवागमन का आंकड़ा जारी किया गया है, जिसमें मुंबई के लिए चलने वाली फ्लाइट में 81 प्रतिशत तक सीटें भरी गई है। इसी तरह इंदौर के लिए यह आंकड़ा 73 प्रतिशत तक रहा है। लगातार दो महीने से मुंबई के यात्री तेजी से बढ़े है।ग्वालियर से लगातार हो रहे यात्री के हवाई सेवाओं के विस्तार के चलते अब कुछ शहरों के लिए ट्रैफिक लोड में अच्छा रिस्पांस आ रहा है। पहले बेंगलुरु के फ्लाइट लिए अधिक संख्या में यात्री मिलते थे और अब मुंबई और इंदौर जैसे शहरों के लिए फ्लाइट में लोड बढ़ गया है।

2 फ्लाइट होने से यात्रियों की संख्या बढ़ीं-शहर की सबसे पुरानी फ्लाइट मुंबई की ही है। अकासा एयरलाइंस ने मुंबई के लिए 26 फरवरी से फ्लाइट शुरू की थी। मुंबई के लिए दो फ्लाइट होने के कारण लगातार दो महिने से मुंबई के यात्री की संख्या तेजी से बढ़े है। कुछ समय पहले तक दिल्ली जाने वाले यात्रियों का लोड अच्छा मिल रहा था। जिसका एक कारण यह भी है कि दिल्ली से कई शहरों की फ्लाइट यात्रियों को मिलती है।

एयर टर्मिनल बनने के बाद रिस्पांस भी बढ़ानया एयर टर्मिनल बनने के बाद फ्लाइट की संख्या बढ़ी है, इसका असर यह रहा कि यात्रियों का अच्छा रिस्पांस मिलने लगा है। फरवरी से अकासा एयर लाइंस ने भी अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू की है। फ्लाइट सिर्फ सप्ताह में एक दिन सोमवार को ही चल रही है।

ऐसे बढ़े यात्री-सुबह की फ्लाइटें अधिकतर कैसिल रही, इसलिए दोपहर के समय चलने वाली विमान सेवा कंपनी की यात्री का लोड ज्यादा होने से फायदा मिल रहा है। यही कारण है कि मुंबई के लिए विमान में 81 फीसदी तक सीटें भरी रहीं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478